आषाढ़ शुक्ल - 3 · संवत 2081 · वर्ष - 19 · अंक - 341 · पृष्ठ - 8 · रु. 5/- · बेंगलूरु » मंगलवार » 09-07-2024 · www.dakshinbharat.com · Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राहुल गांधी 'राजनीतिक पर्यटक', मणिपुर की शांति उन्हें नहीं पच रही : तरूण चुघ
6 साइबर अपराधियों से बैंकों को बचाना जरूरी
7 मौजूदा दौर के खिलाड़ी 'कमजोर दिल' के नहीं है : बिंद्रा

फर्स्ट टेक

नीट-यूजी जांच : सीबीआई ने महाराष्ट्र से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में कथित 'हेरफेर' करने के आरोप में एक व्यक्ति को महाराष्ट्र के लातूर से गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में अबतक नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने लातूर से जुड़े मामले में नंजुनेथप्पा जी नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। इस मामले की जांच पहले महाराष्ट्र पुलिस कर रही थी। उन्होंने बताया कि आरोप है कि लातूर के सरकारी स्कूल के दो शिक्षकों ने नीट-यूजी अभ्यर्थियों से परीक्षा में सफलता सुनिश्चित करने के लिए करीब पांच लाख रुपये की मांग की थी। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने अब तक बिहार नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है, तथा लातूर और गोधरा में कथित हेरफेर के सिलसिले में एक-एक व्यक्ति को, जबकि साजिश के आरोप में देहरादून से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

मराठवाड़ा में छह महीने में 430 किसानों ने आत्महत्या की

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में 2024 के पहले छह महीने में कुल 430 किसानों ने आत्महत्या की है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इनमें सबसे अधिक 101 मौतें बीड जिले में हुई हैं। बीड राज्य के कृषि मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता धनंजय मुंडे का गृह क्षेत्र है। अधिकारी ने कहा, जून में बीड में 30 किसानों ने आत्महत्या की। बीड में आत्महत्या के 101 मामलों में से 46 मामले एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि के पात्र थे, पांच मामले अयोग्य घोषित किए गए और 50 मामलों में विचार किया जा रहा है।'

सलमान खान के घर गोलीबारी का मामला : नौ आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास पर अप्रैल में की गई गोलीबारी के सिलसिले में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई समेत छह गिरफ्तार आरोपियों और तीन वांछित व्यक्तियों के खिलाफ सोमवार को विशेष अदालत में आरोपपत्र दायर किया। अपराध शाखा ने विशेष मकोका अदालत में 1,735 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया। एक अधिकारी ने बताया कि इसमें तीन खंड में विभिन्न जांच दस्तावेज शामिल हैं।

09-07-2024 सूर्यास्त	10-07-2024 सूर्योदय
6:50 बजे	5:59 बजे

BSE	NSE
79,960.38	24,320.55
(-36.22)	(-3.30)

सोना	चांदी
7,599 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	94,850 रु. प्रति किलो

प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करना समय की मांग है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करना समय की मांग है। भुवनेश्वर के निकट हरिदमदा गांव में ब्रह्मकुमारी के दिव्य ध्यान केंद्र का उद्घाटन करते हुए मुर्मू ने कहा कि जंगल, पहाड़, नदियां, झीलें, समुद्र, बारिश, हवा - ये सभी जीवों के जीवित रहने के लिए अनिवार्य हैं लेकिन मनुष्य अपने भोग-विलास के लिए प्रकृति का दोहन कर रहा है और ऐसा करके प्रकृति के प्रकोप का शिकार हो रहा है। उन्होंने कहा, ''मनुष्य को यह याद रखना चाहिए कि प्रकृति में प्रचुरता उसकी जरूरतों के लिए है, उसके लालच के लिए नहीं।''

भारतीय जीवनशैली के हमेशा प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व पर जोर दिये जाने का उल्लेख करते हुए मुर्मू ने कहा, ''हमारे दर्शन में धरती को माता और आकाश को पिता कहा गया है। नदी को भी माता की उपाधि दी गई है। जल को जीवन कहा गया है और हम वर्षा को भगवान इंद्र और समुद्र को भगवान वरुण के रूप में पूजते हैं।'' उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि प्रकृति जड़ नहीं है, उसके भीतर भी चेतना की शक्ति है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और मौसम की अनिश्चितता आज दुनिया के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, ''बाढ़, भूस्खलन, हिमस्खलन, भूकंप, जंगल की आग और सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाएं अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। अब ये लगातार होने वाली घटनाएं बन गई हैं।''

मुर्मू ने कहा, हमारे दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव समाज में बड़े बदलाव का मार्ग प्रशस्त करते हैं। हमें प्राकृतिक संसाधनों का न्यूनतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए अपनी आदतों को बदलना होगा।

भारत-रूस के बीच मजबूत संबंधों से दोनों देशों के लोगों को बहुत लाभ होगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मास्को/भाषा। यूक्रेन पर मास्को का आक्रमण शुरू होने के बाद रूस की पहली यात्रा के तहत यहां पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता करेंगे। इस यात्रा को व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भ और संकेत के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को पहुंचने के तुरंत बाद मोदी ने कहा कि वह भविष्य के क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए उत्सुक हैं और भारत और रूस के बीच मजबूत संबंधों से हमारे लोगों को बहुत लाभ होगा।''

प्रधानमंत्री ने अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा कि भारत शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए ''सहायक भूमिका'' निभाना चाहता है।

अधिकारियों ने बताया कि रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने वनुकोवो-दो हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। मांतुरोव मोदी को हवाई अड्डे से उनके होटल तक छोड़ने उनके साथ गए।

मांतुरोव ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस यात्रा के दौरान उनका भी स्वागत किया था।

मंगलवार को मोदी राष्ट्रपति पुतिन के साथ 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे, भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करेंगे और एक प्रदर्शनी में रोसाटॉम मंडप का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री का 'अज्ञात सैनिक की समाधि' पर पुष्पांजलि अर्पित करने का भी कार्यक्रम है।

बाइसवें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन का जोर ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश और लोगों के बीच आदान-प्रदान के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने पर होने की संभावना है। चर्चाओं में यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा होने की संभावना है। वार्ता में मोदी रूसी पक्ष से रूसी सेना में सहायक कर्मचारियों के रूप में भारतीयों की भर्ती समाप्त करने और सेना में अभी भी कार्यरत लोगों की वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह कर सकते हैं।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मॉस्को पहुंच गया हूं। हमारे देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की उम्मीद है, खासकर सहयोग के भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में।

पुतिन और मोदी आज व्यापक वार्ता करेंगे : क्रेमलिन

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। शीर्ष रूसी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह वार्ता दोनों नेताओं के बीच होने के अलावा प्रतिनिमंडलों के साथ भी होगी। सरकारी 'तास' समाचार एजेंसी ने रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव को उद्धृत करते हुए कहा, ''दोपहर में, पुतिन और मोदी बातचीत शुरू करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि यह निजी बातचीत होगी, साथ ही आधिकारिक नाश्ते पर रूस-भारत वार्ता भी होगी।'' मंगलवार को मोदी राष्ट्रपति पुतिन के साथ 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे।

बीएमडब्ल्यू 'हिट-एंड-रन' मामला:

शिवसेना नेता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने बीएमडब्ल्यू 'हिट-एंड-रन' मामले में शिवसेना नेता राजेश शाह को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले में उनका बेटा भी आरोपी है और इस समय फरार है। पुलिस ने बताया कि शिवसेना नेता का बेटा मिहिर शाह (24) कथित तौर पर बीएमडब्ल्यू कार चला रहा था, जिसने रविवार सुबह मुंबई के वर्ली इलाके में एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी और इस हादसे में बाइक पर सवार कावेरी नखवा (45) की मौत हो गई, वहीं उनके पति प्रदीप घायल हो गए। मामले में शाह का ड्राइवर राजर्षि बिदावत भी आरोपी है। उसे मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (सीवरी अदालत) एस पी भोसले ने मंगलवार तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। कार के मालिक राजेश शाह हैं और दुर्घटना के समय बिदावत कार में मिहिर के साथ था। दोनों को दुर्घटना के बाद मिहिर को भागने में मदद करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया और उन्हें सोमवार को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने तीनों पर कई आरोपों के तहत मामला दर्ज किया है।

हालांकि, अदालत ने इस बात का संज्ञान लिया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) राजेश शाह पर लागू नहीं होती। शाह पालघर जिले में सत्तारूढ़ शिवसेना के नेता हैं।

रथ यात्रा : पुरी के गुंडिचा मंदिर पहुंचे रथ

पुरी/भाषा। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ सोमवार को गुंडिचा मंदिर पहुंचे, जिसके साथ ही ओडिशा के पुरी में रथ यात्रा समारोह का पहला चरण संपन्न हो गया। हजारों लोगों ने रथों को खींचा, जबकि लाखों श्रद्धालु गर्मी और उमस के बीच 'बड़ादंडा' पर रथ यात्रा देखने के लिए सड़क किनारे जमा हुए।

यात्रा रविवार शाम को शुरू हुई, लेकिन सूर्यास्त के कारण कुछ मीटर बाद ही रुक गई। सोमवार सुबह करीब 9.30 बजे 12वीं सदी के मंदिर से गुंडिचा मंदिर तक 2.5 किलोमीटर की यात्रा फिर से शुरू हुई और इसका समापन अपराह्न 2.35 बजे हुआ। तीनों भव्य रथ ग्रैंड रोड पर गुंडिचा मंदिर के बाहर रहेंगे। मंगलवार को एक औपचारिक शोभायात्रा के साथ देवताओं को मंदिर के अंदर ले जाया जाएगा। देवता एक सप्ताह तक इसी मंदिर में रहेंगे।

जम्मू कश्मीर के कठुआ में

सेना के वाहन पर आतंकियों का हमला, चार जवान शहीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कठुआ/जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर में कठुआ जिले के माचेडी इलाके में सेना के वाहन पर घात लगाकर किये गए आतंकवादियों के हमले में चार जवान शहीद हो गए और छह अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आतंकवादियों ने सेना के वाहनों को निशाना बनाकर एक ग्रेनेड फेंका और गोलीबारी की। ये वाहन कठुआ शहर से 150 किलोमीटर दूर लोहई मल्हार में बदनोता गांव के पास अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे माचेडी-किंडली-मल्हार मार्ग पर नियमित गश्त पर थे।

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की लेकिन आतंकवादी नजदीक के जंगलों में भाग गए। खबर लिखे जाने तक, आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रहने की सूचना है। एक अधिकारी ने कहा, ''कुल 10 सैनिक घायल हुए और चोटों के चलते उनमें से चार की मृत्यु हो गई।''

आतंकी हमलों पर कठोर कार्रवाई करनी होगी : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को जम्मू कश्मीर में सैनिकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की और कहा कि आतंकवादी हमलों पर अब खोखले भाषण और झूठे वादों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जम्मू-कश्मीर के कठुआ में भारतीय सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने कहा, मातृभूमि के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर करने वाले शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों को अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायल जवानों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उनका कहना है, हमारी सेना पर ये कायरतापूर्ण हमले अत्यधिक निंदनीय हैं। एक महीने के अंदर पांचवा आतंकी हमला देश की सुरक्षा और हमारे जवानों के जीवन पर भयंकर आघात है। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे आतंकी हमलों का हल कठोर कार्रवाई से होगा, न कि खोखले भाषणों और झूठे वादों से।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, इस दुख की घड़ी में हम मजबूती से देश के साथ खड़े हैं।

राहुल गांधी ने मणिपुर में राहत शिविरों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मणिपुर के जिरीबाम और चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों का दौरा किया और वहां रह रहे लोगों से बातचीत की।

राज्य में पिछले साल मई में मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इसमें 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ पहुंचे गांधी ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से बात की और उनकी समस्याएं सुनीं। कांग्रेस द्वारा राज्य की दोनों लोकसभा सीटें जीतने के बाद राहुल गांधी पहली बार यहां आए हैं।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हिंसा के बाद मणिपुर की उनकी (राहुल गांधी की) तीसरी यात्रा लोगों के मुद्दों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।''

पिछले साल तीन मई को मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के कुछ हफ्ते बाद गांधी ने पहली बार मणिपुर का दौरा किया था। उन्होंने जनवरी 2024 में राज्य से अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' भी शुरू की थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सबसे पहले जिरीबाम उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थापित राहत शिविर का दौरा किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. मेघचंद्र ने संवाददाताओं को बताया कि जिरीबाम के लोगों ने गांधी को अपने अनुभवों के बारे में बताया। मेघचंद्र ने कहा, ''उन्होंने यह भी पूछा कि उन्हें किस चीज की जरूरत है। एक लड़की ने राहुल गांधी से कहा कि न तो प्रधानमंत्री और न ही मुख्यमंत्री उनसे मिलने आए हैं। उसने गांधी से यह मामला संसद में उठाने का भी आग्रह किया।'' प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जिरीबाम में हजारों की संख्या में लोग गांधी का स्वागत करने आए और उनमें से कई लोग उनसे बात करते हुए रो पड़े।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मौकापरस्त राजनीति

कब किसका कैसे लगे दाँव,
इस तिकड़म में शामिल समस्त।
ना वादों का कोई मतलब,
लालच में सारे किले ध्वस्त।
जय लोकतंत्र की बलिहारी,
जिसमें नेतागण सदा मस्त।
सत्तागामी है राजनीति,
जिसमें सारे मौकापरस्त।।

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

चंपई सोरेन सहित 11 नेताओं ने ली मंत्री पद की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड विधानसभा से विपक्षी सदस्यों के बहिर्गमन के बीच, हेमंत सोरेन सरकार के सोमवार को विश्वास मत हासिल करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और झामुमो नीत गठबंधन के 10 अन्य नेताओं ने मंत्री के तौर पर शपथ ली।

राज्य की 81 सदस्यीय विधानसभा में मनोनीत सदस्य ग्लेन जोसेफ गॉलस्टेन सहित कुल 45 विधायकों ने विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के विधायक मतों की गिनती शुरू होते ही सदन से बाहर चले गए। भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष के पास 24 और आजसू पार्टी के तीन विधायक हैं। विश्वास मत हासिल करने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा, ''आज एक बार फिर सबको सत्तारूढ़ गठबंधन की एकता और ताकत देखने को मिली। मैं (विधानसभा) अध्यक्ष और गठबंधन के सभी विधायकों का आभार जताता हूं।''

नीट यूजी 2024 की पवित्रता से हुआ समझौता : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने स्नातक स्तर की मेडिकल समेत कुछ अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 के दौरान कथित अनियमितताओं को एक 'स्वीकृत तथ्य' और 'परीक्षा की पवित्रता से समझौता' मानते हुए सोमवार को कहा कि इसकी (प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने) की व्यापकता निर्धारित होने के बाद तय किया जा सकता है कि संबंधित परीक्षा दोबारा कराने की आवश्यकता है या नहीं।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि इस परीक्षा की पवित्रता से समझौता हुआ। भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए हर पहलू पर विचार- विमर्श के बाद ही कोई फैसला किया जाना चाहिए। पीठ ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) से कहा कि वे नीट यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र सार्वजनिक (पेपर लीक) होने की व्यापकता के बारे में 10 जुलाई तक जानकारी दें। इसके अलावा प्रश्नपत्र सार्वजनिक तथा 5 मई 2024 को परीक्षा आयोजित होने के बीच के समय से भी निर्धारित तिथि तक अवगत कराएं।

शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट करते हुए कहा कि अगर नीट परीक्षा के धोखाधड़ी (पेपर लीक) के लाभार्थियों और बेदाग परीक्षार्थियों के बीच अंतर करना संभव नहीं तो दोबारा परीक्षा आयोजित की जानी चाहिए। पीठ ने कहा, यह एक स्वीकृत तथ्य है कि (आदर्श मापदंडों की अनदेखी कर) प्रश्नपत्र सार्वजनिक हुआ और उसकी प्रकृति कुछ ऐसी है, जिसका हम निर्धारण कर रहे हैं। यदि यह व्यापक नहीं तो इसे रद्द नहीं किया जा सकता। दूसरी तरफ, दोबारा परीक्षा का आदेश देने से पहले हमें प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने की सीमा के बारे में सचेत होना चाहिए, क्योंकि हम करीब 24 लाख छात्रों की समस्या से निपट रहे हैं।

2024-25 के बजट में खपत को बढ़ावा देने के लिए कर राहत पर जोर होना चाहिए : उद्योग जगत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त वर्ष 2024-25 के आम बजट में करदाताओं, खासकर निम्न आय वर्ग के लोगों को राहत देने पर ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि खपत को बढ़ावा मिल सके। उद्योग जगत के लोगों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को यह सुझाव दिया है। सीतारमण 23 जुलाई को 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करने वाली हैं, जो नई सरकार का पहला प्रमुख नीति दस्तावेज होगा।

उद्योग जगत ने वित्त मंत्री से कॉरपोरेट कर को कम करने, कर छूट को चरणबद्ध ढंग से खत्म करने और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कर आधार को व्यापक बनाने का भी आग्रह किया। उद्योग मंडली एसोचैम ने कहा, ''अनुपालन में सुधार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए कर प्रणाली को युक्तिसंगत और सरल बनाना चाहिए। कर व्यवस्था को अधिक कुशल और न्यायसंगत बनाने के लिए कॉरपोरेट कर दरों को कम करने, कर छूट को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने और कर आधार को व्यापक बनाने जैसे उपायों पर विचार करना चाहिए।'' रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि सरकार 11.1 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय के लक्ष्य के साथ समझौता किए बिना 2024-25 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 4.9-5 प्रतिशत तय कर सकती है। इससे पहले एक फरवरी को पेश किए गए अंतरिम बजट में सरकार ने इसके 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''राजस्व के मोर्चे पर अनुकूल घटनाक्रम वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय स्थिति की दृष्टि से सकारात्मक संकेत देते हैं। इक्रा का मानना है कि चालू वित्त वर्ष के बाद राजकोषीय मजबूती काफी चुनौतीपूर्ण हो जाएगी।''

जॉपर इंश्योरटेक के सह-संस्थापक और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) मयंक गुप्ता ने कहा कि बजट में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और विशेष रूप से निम्न आय वर्ग को राहत देने वाली नीतियों पर ध्यान दिए जाने की उम्मीद है, ताकि खपत को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि बीमा के लिहाज से आयकर अधिनियम की धारा 80सी में संशोधन करना चाहिए, ताकि अधिक व्यक्तियों को बीमा उत्पाद खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, नई कर व्यवस्था के तहत टर्म जीवन बीमा के लिए छूट भी होनी चाहिए। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने सुझाव दिया कि सरकार को पीएलआई योजनाओं के दायरे का विस्तार करना चाहिए।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में विनिवेश को आगे बढ़ाने का समय : एसबीआई रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में विनिवेश को आगे बढ़ाना चाहिए क्योंकि वे अच्छी स्थिति में हैं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक शोध विभाग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है।

रिपोर्ट में मौजूदा सरकारी बैंकों को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया गया है। 'केंद्रीय बजट 2024-25 की प्रस्तावना' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है, ''चूंकि बैंक अच्छी स्थिति में हैं, इसलिए सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विनिवेश को लेकर आगे बढ़ना चाहिए।'' इसमें आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के संबंध में कहा कि सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) बैंक में लगभग 61 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''उन्होंने अक्टूबर, 2022 में खरीदारों से बोलियां आमंत्रित कीं। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) को जनवरी, 2023 में पेशकश पर आईडीबीआई बैंक की हिस्सेदारी के लिए कई रुचि पत्र प्राप्त हुए। हमें उम्मीद है कि सरकार बजट में इसे स्पष्ट करेगी।''

वर्तमान में, आईडीबीआई बैंक में सरकार की 45 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है और (एलआईसी) की 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि सरकार को जमा ब्याज पर कर में बदलाव करना चाहिए और म्यूचुअल फंड तथा शेयर बाजारों के अनुरूप विभिन्न परिपक्वता अवधि वाली जमाओं पर एक जैसा व्यवहार करना चाहिए।

इसमें कहा गया है, ''वित्त वर्ष 2022-23 में घरेलू शुद्ध वित्तीय बचत घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.3 प्रतिशत हो गई और 2023-24 में इसके 5.4 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है। यदि हम म्यूचुअल फंड के अनुरूप जमा दर को आकर्षक बनाते हैं, तो इससे घरेलू वित्तीय बचत और चालू खाता और बचत खाता (कासा) में वृद्धि हो सकती है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि चूंकि यह राशि जमाकर्ताओं के हाथ में होगी, इससे अतिरिक्त खर्च हो सकता है और इस तरह सरकार को अधिक माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व मिलेगा। इसमें कहा गया है, ''बैंक जमा में वृद्धि से न केवल मूल जमा आधार और वित्तीय प्रणाली में स्थिरता आएगी बल्कि घरेलू बचत में भी वित्तीय स्थिरता आएगी क्योंकि बैंक प्रणाली बेहतर तरीके से नियमन के दायरे में है और उच्च जोखिम/अस्थिरता वाले अन्य विकल्पों की तुलना में इसको लेकर लेकर ज्यादा भरोसा है।''

एसबीआई की आर्थिक शोध रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि सरकार दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) से जुड़ी चिंताओं पर गौर करेगी। इसमें सुधार किया जाना चाहिए और आईबीसी के तहत मामलों में तेजी लाने पर ध्यान देना चाहिए। आईबीसी के माध्यम से वसूली वित्त वर्ष 2023-24 में 32 प्रतिशत रही और वित्तीय कर्जदाताओं ने अपने दावों का 68 प्रतिशत गंवाया। इसमें कहा गया है कि समाधान तक पहुंचने में 330 दिन के बजाय 863 दिन का समय लग रहा है।

इसमें कहा गया है, ''आईबीसी दबाव वाली परिसंपत्तियों के निपटान के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय है। लेकिन इसके लिए बाजार को आगे बढ़ाने को लेकर संभावित समाधान आवेदकों के दायरे को व्यापक बनाने की जरूरत है...।''

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को संसद में 2024-25 का बजट पेश कर सकती हैं।

2022-23 में 27 क्षेत्रों में रोजगार 3.31% बढ़ा : आरबीआई आंकड़े

मुंबई/भाषा। कृषि, व्यापार और वित्तीय सेवाओं सहित 27 क्षेत्रों में कार्यरत लोगों की संख्या 2022-23 में सालाना आधार पर 3.31 प्रतिशत बढ़कर 59.66 करोड़ हो गई। सोमवार को प्रकाशित भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इससे पहले 2021-22 के दौरान इन 27 क्षेत्रों में रोजगार 57.75 करोड़ था।

आरबीआई ने अपनी वेबसाइट पर 'उद्योग स्तर पर उत्पादकता मापन - भारत केएलईएमएस आंकड़े' शीर्षक के तहत ये आंकड़े प्रकाशित किए हैं। यहां केएलईएमएस का आशय पूंजी (के), श्रम (एल), ऊर्जा (ई) सामग्री (एम) और सेवा (एस) से है। आंकड़ों में संपूर्ण भारतीय अर्थव्यवस्था के 27 उद्योगों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक 'कृषि, शिकार, वानिकी और मछली' क्षेत्र ने 25.3 करोड़ व्यक्तियों को रोजगार दिया था। यह आंकड़ा 2021-22 में 24.82 करोड़ था। इसके अलावा उल्लेखीय रोजगार देने वाले क्षेत्रों में निर्माण, व्यापार तथा परिवहन और भंडारण शामिल थे। आरबीआई ने कहा कि दस्तावेज 'भारत केएलईएमएस डेटाबेस संस्करण-2024' को आर्थिक वृद्धि और इसके प्रमुख क्षेत्रों में शोध को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।

उत्तराखंड : कुमाऊं क्षेत्र में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित, चारधाम यात्रा फिर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के कई हिस्सों में सोमवार को लगातार बारिश जारी रही जिससे कुमाऊं क्षेत्र की नदियां उफान पर हैं, सैकड़ों ग्रामीण सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं और चंपावत तथा उधम सिंह नगर जिलों के कई गांवों में भारी जलभराव हो गया है।

अपर आयुक्त (गढ़वाल) नरेंद्र सिंह क्वीरियाल ने बताया कि गढ़वाल क्षेत्र में मौसम में सुधार के बाद चार धाम यात्रा सोमवार को फिर से शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर एक दिन के लिए यात्रा स्थगित कर दी गई थी।

देहरादून स्थित राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने बताया कि पिथौरागढ़ में 125.50 मिमी बारिश हुई है, जहां काली, गोरी और सरयू नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। राज्य भर में 200 से अधिक ग्रामीण सड़कें भूस्खलन के मलबे से अवरुद्ध हो गई हैं। उधम सिंह नगर जिले के खटीमा और सितारगंज के अलावा चंपावत जिले के पूर्णागिरि डिवीजन में भारी जलभराव के कारण पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के कर्मियों को लगभग 200 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। इन लोगों ने होटल, विवाह भवनों और अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ली है।

पिथौरागढ़ जिले में लगातार बारिश हो रही है, जिससे दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिले के मुनस्यारी सब डिवीजन के तेजम गांव में सबसे अधिक 200 मिमी बारिश दर्ज की गई।

टनकपुर से पिथौरागढ़ तक का बारहमासी मार्ग भारी बारिश के कारण पिछले चार दिनों में कई बार बंद हो चुका है। इसे पिथौरागढ़ और चंपावत दोनों जिलों की जीवन रेखा माना जाता है।

मुंबई में भारी बारिश से उपनगरीय रेल, विमान सेवाएं प्रभावित, स्कूल बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश के कारण पटरियों पर जलभराव के चलते मध्य रेलवे की उपनगरीय सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं और हवाईअड्डे पर भी परिचालन पर असर पड़ा जिसके कारण सोमवार को 50 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।

भारी बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और लोगों को जलमग्न सड़कों से गुजरते देखा गया। राज्य सरकार ने मुंबई, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

मुंबई के कुछ इलाकों में सुबह सात बजे तक मात्र छह घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई, जिससे सड़कें और निचले इलाके जलमग्न हो गए। पूरे दिन शहर में भारी बारिश हुई, जिससे निवासियों की परेशानी और बढ़ गई। महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई, क्योंकि भारी बारिश के कारण कई सदस्य और अधिकारी विधान भवन नहीं पहुंच सके।

महाराष्ट्र के राहत एवं पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री अनिल पाटिल और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अमोल मिटकरी हावड़ा-मुंबई ट्रेन से उतरकर कुछ दूर तक पटरियों पर चलते देखे गए जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। मिटकरी ने कहा, ट्रेन करीब दो घंटे तक फंसी रही। हम दादर और कुर्ला स्टेशन के बीच पटरियों पर उतर गए। मुझे करीब ढाई किलोमीटर तक रेल पटरियों पर चलना पड़ा और नेहरू नगर पुलिस स्टेशन पहुंचा। उन्होंने कहा कि कुछ जनप्रतिनिधि भी उसी ट्रेन में फंसे हुए थे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंत्रालय में एक बैठक कर मुंबई में भारी बारिश की स्थिति की समीक्षा की और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के नियंत्रण कक्ष का दौरा भी किया।

भारी बारिश और समुद्र में ऊंची लहरें उठने की चेतावनी के मद्देनजर बीएमसी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और आपातकालीन मदद के लिए उसके हेल्पलाइन नंबर पर फोन करने की अपील की है। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि जब भारी बारिश के साथ-साथ 'ज्वार' (समुद्र में ऊंची लहरें उठना) आता है तो मुंबई में बाढ़ आ जाती है। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और पड़ोसी ठाणे के बीच मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य गलियारे की 'फास्ट लाइन' पर विभिन्न स्थानों पर जलभराव के कारण कुछ घंटों के लिए ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। बाद में यह फिर से शुरू कर दी गईं।

पंजाब में संगठित अपराध गिरोह का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने एक अंतरराज्यीय संगठित अपराध गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गिरोह के सरगना समेत पांच सदस्यों को मोहाली के खरड़ स्थित एक फ्लैट से गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस के शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि गिरोह के सरगना की पहचान अमृतसर के प्रेम नगर निवासी जय शर्मा उर्फ सुक्खा पिस्तौल अंबरसारिया के रूप में हुई है। चारों सदस्यों में अमृतसर के संधू कॉलोनी निवासी निखिल शर्मा उर्फ लाला, अमृतसर के कोट खालसा निवासी मोनी और हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के अर्पित ठाकुर और करण शर्मा शामिल हैं।

यादव ने बताया कि सुक्खा पिस्तौल के खिलाफ शस्त्र अधिनियम, झपटमारी और चोरी से जुड़े सात मामले दर्ज हैं। पुलिस ने उनके पास से .32 बोर की दो पिस्तौल, तीन मैगजीन और आठ कारतूस भी बरामद किए हैं। डीजीपी यादव ने कहा कि अमृतसर से पुलिस की टीम विश्वसनीय सूचना मिलने के बाद संगठित अपराध गिरोह की गतिविधियों पर नजर रख रही थी कि सुक्खा पिस्तौल और उसके साथी अवैध रूप से हथियार खरीदने के लिए मध्य प्रदेश के खंडवा गए हैं। यादव ने बताया कि पंजाब लौटने के बाद पुलिस ने खरड़ में उनके ठिकाने का पता लगाया और एक फ्लैट में छापा मारकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा हथियार और गोला-बारूद जब्त कर लिया। पुलिस प्रमुख ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बब्बर खालसा के सदस्य ने पुलिस से भागने की कोशिश की, गोली लगने से घायल

चंडीगढ़/भाषा। प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन खालसा इंटरनेशनल का एक संदिग्ध सदस्य जालंधर में हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान पुलिस की गोलीबारी में घायल हो गया। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिमरनजीत सिंह उर्फ बबलू तीन अप्रैल को एसबीएस नगर में पूर्व आतंकवादी रत्तनदीप सिंह की हत्या में आरोपी है। उसे जालधंर की देओल नगर कॉलोनी में रविवार देर रात एक विशेष जांच के दौरान गिरफ्तार किया गया था।

बबलू की गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद एक पुलिस दल उसे जालंधर-नकोदर मार्ग पर वडाला के निकट एक जगह लेकर जा रहा था जहां उसने रत्तनदीप सिंह की हत्या में इस्तेमाल संदिग्ध पिस्तौल को छिपाने का दावा किया था। डीजीपी ने कहा, ''वहां पहुंचने पर आरोपी ने एक पुलिस अधिकारी को धक्का देकर भागने की कोशिश जिसके बाद पुलिस दल ने गोली चलाई और आरोपी घायल हो गया।'' उन्होंने कहा कि आरोपी को पास के अस्पताल ले जाया गया। बबलू के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस ने बबलू के पास से दो अत्याधुनिक हथियार बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बबलू पाकिस्तानी आतंकवादी हरविंदर रिंदा और अमेरिकी नागरिक गोपी नवनशहरिया के निर्देश पर काम कर रहा था और उन्होंने उसे तथा जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सी कुलाम नामक एक अन्य हमलावर को रत्तनदीप सिंह की हत्या का काम सौंपा था। जस्सी अपराध को अंजाम देने के बाद विदेश भागने में सफल रहा। पुलिस ने कहा कि बबलू खूंखार अपराधी है और उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास के अनेक मामले दर्ज हैं। वह अमृतसर में कथित रूप से एक सहायक उप-निरीक्षक की हत्या में शामिल था।

मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों के वितरण पर राष्ट्रीय नीति तैयार करने का काम अंतिम चरण में : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि स्कूल जाने वाली किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों के वितरण पर राष्ट्रीय नीति तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी की दलीलों का संज्ञान लिया और संबंधित नीति तैयार करने के लिए दो महीने का समय देने का उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया। शीर्ष अदालत कांग्रेस नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने केंद्र और राज्यों को छठी से बारहवीं कक्षा की छात्राओं को मुफ्त 'सैनिटरी पैड' उपलब्ध कराने तथा सभी सरकारी और आवासीय विद्यालयों में अलग महिला शौचालय की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

एएसजी ने कहा कि इस मुद्दे पर राष्ट्रीय नीति तैयार करने का काम अंतिम चरण में है और दो महीने का समय और दिया जा सकता है। पीठ ने कहा, ''हम इस मामले को सितंबर के पहले सोमवार को सूचीबद्ध करेंगे।'' याचिका में विद्यालयों में गरीब पृष्ठभूमि की किशोरियों के सामने आने वाली कठिनाइयों को उजागर किया है। केंद्र ने पहले कहा था कि वह 10 अप्रैल, 2023 और छह नवंबर, 2023 के आदेशों के अनुसार स्कूल जाने वाली लड़कियों को मासिक धर्म स्वच्छता उत्पादों के वितरण पर एक राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए सभी आवश्यक तथ्यों को एकत्र करने की प्रक्रिया में है।

'हिट एंड रन' मामलों पर शिंदे ने कहा : प्रभावशाली लोगों को व्यवस्था में गड़बड़ी नहीं करने देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किसी भी प्रकार के अन्याय को 'बर्दाश्त नहीं करने' की राज्य प्रशासन की नीति पर सोमवार को जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस को न्याय सुनिश्चित करने के लिए शक्तिशाली और प्रभावशाली व्यक्तियों से जुड़े 'हिट-एंड-रन' मामलों से गंभीरता से निपटने का निर्देश दिया।

'हिट-एंड-रन' से आशय उस घटना से है जिसमें कोई व्यक्ति अपने वाहन से सड़क पर किसी को जाने-अनजाने टक्कर मारता है और फिर वहां से भाग जाता है। शिंदे का बयान उस 'हिट एंड रन' घटना के बाद आया है जिसमें उनके नेतृत्व वाली शिवसेना के एक नेता के बेटे द्वारा कथित तौर पर चलाई जा रही बीएमडब्ल्यू कार ने मुंबई में स्कूटर पर पीछे बैठी 45 वर्षीय एक महिला को कुचल दिया था। इस घटना में महिला की मौत हो गई थी।

महाराष्ट्र में 'हिट-एंड-रन' मामलों की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शिंदे ने कहा, ''शक्तिशाली और प्रभावशाली लोगों द्वारा अपनी स्थिति का दुरुपयोग करके व्यवस्था में गड़बड़ी उत्पन्न करना असहनीय है। न्याय में इस तरह की गड़बड़ी मेरी सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।'' उन्होंने आम नागरिकों के जीवन की रक्षा के महत्व को रेखांकित किया और राज्य पुलिस को इन मामलों से सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निपटने का निर्देश दिया।

पंजाब के बटाला में दो समूहों के बीच गोलीबारी में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के गुरदासपुर जिले में दो समूहों के बीच पुरानी रंजिश के चलते हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात बटाला के श्री हरगोबिंदपुर के लिघांवाला चौक पर हुई। दोनों समूहों में कुल 13 लोग थे और सभी विठवान गांव के रहने वाले हैं।

बटाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अश्विनी गोटयाल ने बताया कि गोलीबारी में दोनों समूहों के दो-दो लोगों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान बलराज सिंह, शमशेर सिंह, बलजीत सिंह और निर्मल सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि घटना में आठ लोग घायल हुए हैं और उन्हें अमृतसर के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक सभी घायल खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने बताया कि घटना के दौरान कई राउंड गोलियां चलाई गईं और मौके से 30 कारतूस और खोखें मिले हैं।

एसएसपी ने बताया कि एक समूह का नेतृत्व मेजर सिंह कर रहा था जबकि दूसरे गुट का अंग्रेज सिंह। उन्होंने बताया कि दोनों समूहों के बीच नहर के पानी के बंटवारे को लेकर विवाद था। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों की रविवार रात को झड़प हो गई।

एसएसपी ने बताया कि एक समूह में कुल नौ लोग थे जबकि दूसरे समूह में चार लोग थे।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस गश्ती दल मौके पर पहुंचा। एसएसपी ने बताया कि थाना प्रभारी के वाहन पर भी एक गोली लगी है।

पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

हरियाणा के पिंजौर में रोडवेज बस पलटने से 50 लोग घायल, अधिकांश स्कूली बच्चे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के पिंजौर में सोमवार को क्षमता से अधिक सवारियों को ले जा रही रोडवेज की एक मिनी बस के पलट जाने से 50 लोग घायल हो गये, जिनमें अधिकांश स्कूली बच्चे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कालका के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बस जब पंचकूला जिले के पिंजौर के निकट पहाड़ी क्षेत्र से गुजर रही थी तो एक मोड़ के पास सड़क से फिसलकर पलट गई।

पंचकूला के उपायुक्त यश गर्ग ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दुर्घटना के बाद लगभग 50 यात्रियों, जिनमें अधिकतर बच्चे थे, को पंचकूला और पिंजौर के अस्पतालों में लाया गया। उन्होंने बताया कि अधिकांश बच्चों को मामूली चोटें आयीं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पाया गया गया कि अधिकांश बच्चे सदमे में थे। उपायुक्त गर्ग ने कहा, ''अस्पताल लाये गए 23-24 बच्चे ठीक हैं। उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। मुझे लगता है कि केवल पांच से सात या शायद इससे भी कम लोग अस्पताल में भर्ती होंगे, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दो-तीन बच्चों को फ्रैक्चर हुआ है। उन्होंने बताया कि हालांकि, एक बुजुर्ग महिला को गंभीर चोटें आयी हैं और उसे चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर भेजा गया है।

कुछ लोगों का कहना है कि दुर्घटना के समय महिला सड़क पर थी। घायलों में बस का कंडक्टर भी शामिल है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं पंचकूला से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक ज्ञान चंद गुप्ता ने संवाददाताओं को बताया कि बस के चालक और परिचालक को निलंबित कर दिया गया है। गुप्ता ने बताया, ''बस में क्षमता से अधिक सवारी थीं और हमें बताया गया है कि वाहन की गति भी कुछ अधिक थी। जैसे ही बस एक मोड़ के पास पहुंची तो वह पलट गई।'' उन्होंने कहा, हमारी पहली प्राथमिकता घायलों को बचाना और उन्हें सर्वश्रेष्ठ उपचार मुहैया कराना है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या मिनी बस में क्षमता से अधिक लोग सवार थे, गर्ग ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि वाहन की क्षमता 40-50 लोगों की थी, लेकिन इसमें अधिक लोग सवार थे। उन्होंने कहा, कुछ बच्चों ने कहा है कि बस की गति थोड़ी अधिक थी.... दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। इससे पहले पंचकूला सिविल अस्पताल में पत्रकारों से बात करते हुए गर्ग ने कहा कि हरियाणा रोडवेज की मिनी बस एक मोड़ के पास पलट गई। गर्ग ने कहा, दुर्घटना के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। फिलहाल हमारा मुख्य ध्यान बचाव पर है। राहत की बात यह है कि सभी बच्चों की हालत स्थिर हैं, किसी को भी कोई गंभीर चोट नहीं आई है। उन्होंने बताया कि पंचकूला सिविल अस्पताल में लाए गए 30 बच्चों के अलावा, चार वयस्कों को भी वहां लाया गया था और उनमें से एक 60 वर्षीय महिला है, जिसे हाथ पर चोट लगी है और उसे पीजीआईएमईआर रेफर कर दिया गया है।

बैठक

सोमवार को बेंगलूरु के विधान सौधा में डीसी और सीईओ के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, डीसीएम डीके शिवकुमार और अन्य।

एमयूडीए 'घोटाला': कर्नाटक के मंत्री ने पर्दा डालने के आरोप खारिज किए, एसआईटी जांच से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को इन आरोपों को खारिज कर दिया कि सरकार राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती सहित जमीन गंवाने वाले लोगों को मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा भूखंड आवंटित किए जाने की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कथित घोटाले की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने से इनकार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पहले ही इस मामले पर स्पष्टीकरण दे चुके हैं।

परमेश्वर से सवाल किया गया कि क्या सरकार घोटाले पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है जिसके जवाब में उन्होंने कहा, हम किसी बात पर पर्दा नहीं डालेंगे, हमारी (सरकार) एक खुली किताब की तरह है। इसमें कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है। हमें इस बारे में बार-बार बात करने की आवश्यकता नहीं है।

केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने पिछले सप्ताह उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख डी के शिवकुमार पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा था कि एमयूडीए भूमि आवंटन घोटाले का पर्दाफाश उस व्यक्ति ने किया था, जिसकी नजर मुख्यमंत्री पद पर है। परमेश्वर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, कुमारस्वामी ने क्या कहा है, इसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करेगी, उन्होंने कहा, नहीं। इसकी कोई जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्टीकरण दे दिया है। जांच की क्या जरूरत है? भाजपा ने आरोप लगाया है कि पार्वती को मैसुरु के एक पॉश इलाके में मुआवजे के तौर पर ऐसा भूखंड आवंटित किया गया जिसका मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था जिसे एमयूडीए ने अधिग्रहीत किया था।

एमयूडीए ने पार्वती को उनकी तीन एकड़ से अधिक क्षेत्रफल की जमीन के बदले में 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। इस विवादास्पद योजना के तहत अधिग्रहीत अविकसित भूमि के बदले में भूमि देने वाले को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित करने की परिकल्पना की गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि एमयूडीए ने भूमि देने वालों को भूखंड वितरित करने में 4,000 करोड़ रुपये की अनियमितता की।

योगेश गौड़ा हत्याकांड की जांच के लिए धारवाड़ पहुंची सीबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धारवाड़ । चर्चित योगेश गौड़ा हत्याकांड की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है। इसी कड़ी में जांच करने सीबीआई की टीम धारवाड़ पहुंची। इस हत्याकांड में पूर्व मंत्री विनय कुलकर्णी आरोपी हैं। गौरतलब है कि सीबीआई पहले ही कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। हत्याकांड की जांच कर रही सीबीआई टीम का नेतृत्व राकेश रंजन कर रहे हैं। उन्होंने विशेष लोक अभियोजक गंगाधर शेट्टी से मुलाकात की।

फिलहाल यह मामला बेंगलूरु के कोर्ट में चल रहा है। केस से जुड़े गवाहों को बुलाने के लिए सीबीआई धारवाड़ पहुंची है। योगेश गौड़ा की धारवाड़ के उदय जिम में हत्या कर दी गई थी। यह मामला साल 2016 का है। 15 जून 2016 को योगेश गौड़ा की हत्या की गई थी। परिवार ने इसका आरोप तत्कालीन मंत्री एवं कांग्रेस नेता विनय कुलकर्णी पर लगाया था। हालांकि सिद्धारमैया सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इस हत्याकांड को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया और चुनाव में इसको मुद्दा भी बनाया।

विनय कुलकर्णी कर्नाटक कांग्रेस के नेता हैं। वर्तमान में वो धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र से विधायक हैं। 2023 कर्नाटक विधानसभा चुनाव में इन्होंने जीत हासिल की। इससे पहले साल 2014 के लोकसभा और 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सिद्धारमैया कैबिनेट में इनको खान मंत्री के रूप में सरकार में शामिल किया गया।

कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना

सांसद की जीत के जश्न में कथित तौर पर बांटी गई शराब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता के.सुधाकर की चिक्कबल्लापुर लोकसभा सीट से जीत का जश्न मनाने के लिए आयोजित समारोह में शामिल लोगों को कथित तौर पर शराब की बोतल दी गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में पुलिस कर्मी और बाउंसर अवरोधकों के पीछे खड़ी भीड़ को नियंत्रित करते हुए लोगों को शराब की बोतलें दे रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि रविवार को आयोजित कार्यक्रम में भाजपा और उसकी सहयोगी जनता दल (सेक्यूलर) के नेता, कार्यकर्ता और समर्थक जमा हुए और इस मौके पर मांसाहार भी कराया गया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर.अशोक और भाजपा एवं जद(एस) के अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आबकारी विभाग ने कार्यक्रम में शराब परोसने का लाइसेंस जारी किया था। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा से शराब परोसने के मद्दे पर जवाब देने की मांग की।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैं (भाजपा के) स्थानीय नेताओं से जवाब नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस पर जवाब दें। यह भाजपा की संस्कृति है। जब शिवकुमार से पूछा गया कि क्या इस मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तो उन्होंने कहा, वह बाद की बात है; पहले पार्टी (भाजपा) को जवाब देने दीजिए।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडु राव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट जारी कर कहा, कहते कुछ हैं और करते कुछ...भाजपा नेता शराब बांटने में व्यस्त हैं जबकि राज्य डेंगू की चपेट में है। भाजपा नेता कहां हैं जिन्होंने मेरे मैंगलोर (मंगलुरु) दौरे के दौरान तरण-ताल में तैरने पर सवाल उठाया था? क्या यह आपकी संस्कृति है?

सांसद सुधाकर ने कहा कि उनका उक्त कार्यक्रम से कोई लेना देना नहीं है और वह इस घटना से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि जिसने भी शराब बांटने का कार्यक्रम आयोजित किया, भले वह भाजपा का हो या जद(एस) का 'गलत' है और सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी घटना दोबारा नहीं हो।

सुधाकर ने कहा, भाजपा तालुका इकाई और जद(एस) कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम का आयोजन किया और नेता प्रतिपक्ष अशोक को आमंत्रित किया। हम बैठक में शामिल होकर लौट गए। जो भी उसके बाद हुआ उसकी जानकारी मुझे मीडिया से मिली। कर्नाटक के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुधाकर ने कहा, मुझे नहीं पता कि शराब आयोजकों ने बांटी या उसमें शामिल होने वालों ने उसे पी...मैंने अपने 20 साल के करियर में कभी शराब बांटने की राजनीति नहीं की। ऐसा नहीं होना चाहिए था, यह अक्षम्य है, मैंने यह सभी से कहा।

तमिलनाडु की द्रमुक सरकार पुलिस को 'खुली छूट' दे: अन्नाद्रमुक प्रमुख

सलेम। अखिल भारतीय अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई के पलानीस्वामी ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था को केवल तभी संभाला जा सकता है जब पुलिस विभाग को पूरी स्वतंत्रता दी जाए। उन्होंने इस मुद्दे पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के स्टालिन की आलोचना की।

राज्य सरकार द्वारा चेन्नई के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौड़ को हटाकर वरिष्ठ अधिकारी ए अरुण को नियुक्त करने के ठीक बाद नेता प्रतिपक्ष पलानीस्वामी ने कहा कि केवल एक अधिकारी के स्थानांतरण से कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने में दक्षता नहीं आ सकती। यह उच्च स्तरीय तबादला बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राज्य इकाई के प्रमुख के आर्मस्ट्रांग की हत्या के कुछ दिनों बाद किया गया है। पलानीस्वामी ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि केवल उचित शासन सुनिश्चित करके ही कानून और व्यवस्था की रक्षा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग का प्रभार मुख्यमंत्री के ही पास है और यदि उन्होंने विभाग का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया होता तो कानून-व्यवस्था की स्थिति को अच्छा बनाए रखा जा सकता था। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वह एक कठपुतली मुख्यमंत्री, एक अयोग्य मुख्यमंत्री हैं और पुलिस अधिकारियों को पूरी स्वतंत्रता नहीं दी गई है, इसलिए वे कानून और व्यवस्था को ठीक से बनाए नहीं रख सकते हैं।

रेणुकास्वामी हत्याकांड में पर्याप्त सबूत जमा करने के बाद आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा: गृह मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि रेणुकास्वामी हत्या मामले में पर्याप्त साक्ष्य जमा करने के बाद आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। इस मामले में कन्नड अभिनेता दर्शन थुगुदीपा, उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य आरोपी हैं। सभी आरोपी इस समय 18 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अभिनेता के प्रशंसक रेणुकास्वामी (33) ने पवित्रा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे दर्शन नाराज हो गए और कथित तौर पर रेणुकास्वामी की हत्या कर दी गई। उसका शव नौ जून को यहां सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के पास एक बरसाती नाले से मिला था।

परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जांच जारी है, सबूत जमा किए जा रहे हैं। इसके बाद आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा। क्या केवल मीडिया के कहने की वजह से इसमें तेजी लाई जानी चाहिए? उन्होंने कहा, कुछ प्रक्रियाएं होती हैं, पर्याप्त सबूत जमा करने के बाद आरोपपत्र दायर किया जाएगा। मैं पहले ही कह चुका हूं कि इस मामले में किसी को बचाने की जरूरत नहीं है और ऐसा नहीं किया जाएगा।

चित्रदुर्ग निवासी राघवेंद्र यहां आर आर नगर में रेणुकास्वामी को यह कहकर लाया था कि दर्शन उससे मिलना चाहते हैं। आठ जून को कथित तौर पर उसे प्रताड़ित किया गया और उसकी हत्या कर दी गयी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार चित्रदुर्ग निवासी रेणुकास्वामी को किसी धारदार हथियार से कई बार चोट पहुंचाई गई और आघात लगने से उसकी मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि पवित्रा, जो आरोपी नंबर एक है, रेणुकास्वामी की हत्या का 'प्रमुख कारण' थी। उन्होंने दावा किया कि जांच से यह साबित हो गया है कि उसने अन्य आरोपियों को उकसाया, उनके साथ साजिश रची और अपराध में भाग लिया।

बरसात

तटीय कर्नाटक में बारिश के कारण सोमवार को उडुपी के पास बाढ़ से भरी सड़क पार करते लोग।

पीएससी सदस्यता के लिए रिश्वत: केरल के मंत्री रियास ने आरोपों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री पी ए मोहम्मद रियास ने सोमवार को लोक सेवा आयोग (पीएससी) की सदस्यता से जुड़े रिश्वत विवाद मामले के संबंध में अपने खिलाफ लगे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और इसे निराधार बताते हुए आरोप लगाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

पत्रकारों ने जब इस मुद्दे पर उनकी प्रतिक्रिया जाननी चाही तो मंत्री ने आरोप लगाया कि यह उन्हें व्यक्तिगत रूप से बदनाम करने का प्रयास है और उन्हें इस बारे में केवल मीडिया में आई खबरों के माध्यम से जानकारी मिली है। उनकी प्रतिक्रिया उन आरोपों के मद्देनजर आई है जिनमें कहा गया है कि उत्तरी कोझिकोड जिले में एक माकपा नेता ने कथित तौर पर पीएससी का सदस्य बनाने का वादा करके एक व्यक्ति से लाखों रुपये एकत्र किए और इससे रियास का नाम जुड़ा है। रियास मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के दामाद हैं।

रियास ने कहा कि इन दिनों निहित स्वार्थों के कारण नकारात्मक मुद्दों में उनका नाम लगातार घसीटा जा रहा है और सभी लोग इस तरह के कदमों की असली मंशा को जानते हैं। उन्होंने कहा, मैंने उन लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया है जो मेरा नाम ऐसे मामलों में घसीटते हैं।

मछली पकड़ने के दौरान समुद्र में गिरे मछुआरे

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम के पास मुथलापोझी तट पर सोमवार को मछली पकड़ रहे दस मछुआरे संतुलन खोने के कारण समुद्र में गिर गए। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सभी मछुआरों को सुरक्षित निकाल लिया गया और उनमें से किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह जब मछुआरे मछली पकड़ने के बाद तट पर लौट रहे थे।

आईआईटी मद्रास तेल अवीव विश्वविद्यालय की साझेदारी में जल गुणवत्ता पर पाठ्यक्रम पेश करेगा

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास, इजराइल के तेल अवीव विश्वविद्यालय और कोयंबटूर के केएमसीएच रिसर्च फाउंडेशन (केएमसीएच-आरएफ) की साझेदारी में जल गुणवत्ता को लेकर पाठ्यक्रम की पेशकश करेगा ताकि नागरिकों को जल के प्रति साक्षर बनाया जा सके। संस्थान ने सोमवार को यह जानकारी दी।

आईआईटी, मद्रास के मुताबिक यह चार महीने का पाठ्यक्रम होगा और 'हाइब्रिड' माध्यम से एनपीटीईएल ऑनलाइन मंच के जरिए मुहैया कराया जाएगा। यह विज्ञान और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों और तकनीकी पृष्ठभूमि वाले उन लोगों के लिए आदर्श होगा जिनकी रूचि जल गुणवत्ता में है। संस्थान ने विज्ञप्ति में बताया कि पाठ्यक्रम के संयोजक विद्यार्थियों के लिए भारत और दुनिया का जल मानचित्र बनाने का काम कर रहे हैं जिससे जल साक्षरता बढ़ाने में मदद मिलेगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, जल गुणवत्ता के मौलिक पहलुओं का ज्ञान हासिल करने के बाद विद्यार्थी सर्वेक्षण सहित प्रायोगिक परीक्षा दे सकेंगे। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा और उनके संस्थान इसके लिए उनकी डिग्री में 'क्रेडिट' भी दे सकते हैं। आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर टी प्रदीप और प्रोफेसर लिगी फिलिप, तेल अवीव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हदास ममने और प्रोफेसर राम फिशमैन एवं केएमसीएच-रिसर्च फाउंडेशन के डॉ जी वेलमुरुगन पाठ्यक्रम प्रशिक्षक के रूप में कार्य करेंगे।

केंद्र रसोई गैस के लिये 'ईकेवाईसी' की प्रक्रिया आसान बनाए : केरल कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि रसोई गैस उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों में पंजीकरण प्रक्रिया (केवाईसी) पूरी करने के केंद्र सरकार के कथित निर्देश से कई लोगों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को परेशानी हुई है। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे पत्र में कहा कि मौजूदा व्यवस्था के कारण गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग रही हैं और उन्हें असुविधा हो रही है। उन्होंने इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए वार्ड स्तर और अक्षय केन्द्रों पर एक विशेष प्रणाली स्थापित करने का सुझाव दिया। पत्र में कहा गया, पता चला है कि केंद्र सरकार ने गैस कनेक्शन के लिए मस्टरिंग (केवाईसी) को अनिवार्य कर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रसोई गैस सिलेंडर वैध ग्राहकों को ही मिलें। हालांकि, वैध ग्राहकों की पहचान के लिए केवाईसी अनिवार्य है, लेकिन संबंधित गैस एजेंसियों पर प्रक्रिया पूरी करने के फैसले से आम रसोई गैस सिलेंडर धारकों को असुविधा हो रही है।

इसमें कहा गया, जैसा कि आप जानते हैं, रसोई गैस धारकों में से अधिकांश महिलाएं हैं, और इस शर्त के कारण उन्हें पंजीकरण कराने के लिए गैस एजेंसियों के सामने घंटों लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। इससे उनके दैनिक जीवन पर बहुत बुरा असर पड़ा है। इस फैसले के कारण बुजुर्ग और बीमार लोग भी बहुत मुश्किल में हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि लोगों को परेशानी से बचाने के लिए सरकार को वैकल्पिक तरीकों पर विचार करना चाहिए।

प्रदर्शन

सोमवार को शिवमोग्गा में ग्राम पंचायत स्वच्छ वाहिनी ऑटो चालकों और श्रमिकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

चेन्नई के नये पुलिस प्रमुख अरुण ने आपराधिक गिरोहों पर लगाम लगाने का संकल्प लिया

चेन्नई। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी ए. अरुण ने सोमवार को चेन्नई पुलिस आयुक्त का पदभार संभाला और बदमाशों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकल्प लिया। नये पुलिस आयुक्त की ये टिप्पणी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता के. आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या के कुछ दिनों बाद आई है। शहर के पुलिस प्रमुख ने अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए यहां संवाददाताओं को बताया कि आपराधिक तत्वों को उनकी भाषा में सबक 'सिखाया' जाएगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या 'मुठभेड़' की उम्मीद की जा सकती है, जिसपर उन्होंने कहा कि 'मुठभेड़' जैसी कोई चीज नहीं होती। अधिकारी ने बताया कि उपद्रवी तत्वों को 'उस भाषा में सबक सिखाया जाएगा जिसे वे समझते हैं।' उन्होंने जोर देकर कहा कि नियमित गश्त से सभी अपराधों में कमी आएगी। अधिकारी ने पुलिस विभाग के भीतर 'कट्टा पंचायत' (कंगारू अदालत) जैसी भ्रष्ट गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई का भी आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना, अपराधों पर लगाम लगाना और अपराध की घटनाओं की उचित जांच तथा उपद्रव पर अंकुश लगाना प्राथमिकताएं हैं।

आर्मस्ट्रांग की हत्या के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बसपा नेता की जान को खतरे की पूर्व सूचना और पुलिस निष्क्रियता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने चूक की स्थिति में कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस विश्वविद्यालय कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का अपराध अनुसंधान में करे सकारात्मक उपयोग : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय का कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का अपराध अनुसंधान में सकारात्मक उपयोग एवं अपराध रोके जाने के लिए 'थिंक-टैंक' के रूप में काम करने, अपराध विज्ञान से जुड़े विभिन्न अनुशासनों में उत्कृष्ट शोध और प्रभावी पुलिस शिक्षण के लिए कार्य करने का आह्वान किया है।

मिश्र जोधपुर स्थित सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपराध विज्ञान के शिक्षण में नवाचार का भी यह विश्वविद्यालय देश-विदेश का बड़ा केन्द्र बनें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का व्यक्ति और समाज के विकास से अत्यन्त गहरा रिश्ता है। साथ ही हमें शिक्षा के बेहतरीन ढांचें एवं आदर्श मूल्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वह है, जो व्यक्ति को अज्ञान, अनिश्चितताओं और अस्पष्टताओं से मुक्त करे। इसी प्रकार यह विश्वविद्यालय भी पुलिस एवं सुरक्षा के क्षेत्र में अस्पष्ट, अज्ञात और भ्रमित करने वाली जानकारियों के संदर्भ में आलोक पथ का संवाहक बने।

मिश्र ने कहा कि भारत सदियों तक विश्वगुरु रहा है। और दुनिया को ज्ञान के प्रकाश से आलोकित किया है। नालंदा एवं तक्षशिला इसके जीते-जागते उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नामकरण लौह पुरूष सरदार पटेल के नाम पर किया गया है। जिन्होंने रियासतों का एकीकरण करते हुए छोटी-बड़ी रियासत को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। साथ ही, देश में मजबूत पुलिस व्यवस्था स्थापित करने में सरदार पटेल की महती भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय उनके बताए आदर्श मार्ग पर चलते हुए भारत को मजबूत पुलिस व्यवस्था देने वाले कार्मिक और अधिकारी उपलब्ध कराने के साथ ही पुलिसिंग में समय अनुरूप उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' संकल्प को पूरा करने में इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का भी योगदान रहे। उन्होंने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में साइबर अपराध सहित अन्य अपराधों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अपराधी तकनीक का इस्तेमाल करने लगे है, ऐसे में 'स्मार्ट पुलिसिंग' आज के समय की बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा एवं वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में पुलिस विश्वविद्यालय को अपने पाठ्यक्रमों को समयानुकूल, उपयोगी और अद्यतन बनाना होगा। साथ ही विश्वविद्यालय को पुलिसिंग, आतंरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, फोरेंसिक साइंस आदि क्षेत्रों में शोध को अकादमिक गुणवत्ता एवं सामाजिक उपयोगिता सहित दोनों दृष्टियों से प्रभावी बनाना होगा। उन्होंने कहा कि इससे पुलिसिंग की विभिन्न विधाओं में शोध एवं अनुसंधान में युवा अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे।

मिश्र ने कहा कि वर्तमान में संगठित और साइबर अपराध के नये-नये स्वरूप देखने को मिल रहे हैं। इसलिए केन्द्र सरकार ने आपराधिक न्याय से जुड़े तीन नये कानूनों लागू किया हैं जो न्याय की अवधारणा को मजबूत करते हैं। जिसमे समयबद्ध न्याय एवं पुलिस के लिए सीमाएं निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा कि पहली बार छोटे अपराधों में सजा के तौर सामुदायिक सेवा का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस विश्वविद्यालय अपने पाठ्यक्रमों में नये कानूनों के अध्यन का समावेश करे।

मिश्र ने कहा कि अपराध विज्ञान, पुलिस विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान आदि के तहत समय-संदर्भों और अपराध से जुड़े विशेष प्रकरणों के आधार पर पुलिस बलों के लिए नवीन पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय तैयार करे। इनमें सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों की मदद के साथ फोरेंसिक वैज्ञानिक, मनावैज्ञानिकों, चिकित्सकों और सूचना और प्रौद्योगिकी में दक्ष विशेषज्ञों की मदद ले।

मिश्र ने कहा कि संविधान हमारी उदात्त जीवन परम्पराओं का संवाहक है। उन्होंने ने युवाओं से आह्वान किया कि भारत के नव-निर्माण में आपको महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, इसलिए संविधान में प्रदत्त मूल कर्तव्यों को आचरण में लाकर आगे बढ़ें। समारोह में राज्यपाल ने 10 दीक्षार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर समाज को एक नयी दिशा देने की ओर कार्य करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वह न्याय की प्रक्रिया में नये अनुभव के साथ कार्य कर देश की प्रगति में अहम योगदान देवें।

भरतपुर व दौसा में कई जगह भारी बारिश

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है और अनेक इलाकों में बारिश का दौर जारी है। बीते चौबीस घंटे में राज्य में सबसे अधिक 91 मिलीमीटर बारिश बांदीकुई में हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राज्य में कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ हल्के से मध्यम वर्षा तथा भरतपुर और दौसा जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक 91 मिलीमीटर बारिश दौसा के बांदीकुई में , सिकराय में 76 मिलीमीटर व भरतपुर के भुसावर 91 मिलीमीटर हुई। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान में सबसे अधिक 38 मिलीमीटर बारिश छतरगढ़ में हुई।

राज्य में कई दिनों से जारी बारिश का असर तापमान पर भी पड़ा है और अधिकतम तापमान में काफी कमी आई है। मौसम केंद्र के अनुसार, फलोदी में पिछले 24 घंटों में राज्य में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नदी में डूबने से तीन नाबालिग लड़कियों की मौत

जयपुर। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में तीन नाबालिग लड़कियां नदी में डूब गईं। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि ये लड़कियां रविवार को नदी में हाथ-पैर धोने उतरीं थी और गलती से गहरे पानी में चली गईं। पुलिस के मुताबिक, घटना आनंदपुरी थाना क्षेत्र में हुई। सहायक उपनिरीक्षक जितेन्द्र पाटीदार ने बताया कि बकरियां चराने अनास नदी के किनारे गई तीनों लड़कियां हाथ-पैर धो रही थीं कि तभी वह फिसलकर गहरे पानी में चली गईं और डूब गई।

उन्होंने बताया कि गांववालों ने तीनों लड़कियों को नदी से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि लड़कियों की पहचान इटली (11), शर्मिला (10) और टीना (10) के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

राजस्थान को बनाएंगे सोलर उपकरणों की असेंबलिंग तथा मैन्यूफैक्चरिंग का हब : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। । ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सोलर सेक्टर को बढ़ावा दे रही है। हमारा प्रयास है कि राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ ही सोलर उपकरणों की असेंबलिंग तथा मैन्यूफैक्चरिंग का हब बने। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सोलर उपकरण विनिर्माण इकाइयों से जुड़े उद्यमी सुझाव दें। जिनके आधार पर नीति एवं नियमों में संशोधन की आवश्यकता हुई तो उन पर भी सरकार प्राथमिकता से विचार करेगी।

ऊर्जा मंत्री सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राजस्थान सोलर एसोसिएशन की ओर से आयोजित भारत सोलर कंपोनेंट एक्सपो में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों तथा सोलर उपकरणों की विनिर्माण इकाइयों से जुड़े उद्यमियों के साथ संवाद किया और उनके सवालों के जवाब भी दिए।

नागर ने कहा कि स्थानीय स्तर पर ही सोलर कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट्स के लगने से सोलर पैनल, सोलर केबल, एलुमिनियम स्ट्रक्चर आदि की निर्माण लागत में कमी आएगी और युवाओं को इस उभरते सेक्टर में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा भविष्य की जरूरत है और हमारे प्रदेश में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। ऊर्जा मंत्री ने सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य कैबिनेट द्वारा हाल ही में किए गए अक्षय ऊर्जा नीति-2023 तथा राजस्थान भू-राजस्व नियम, 2007 के प्रावधानों में संशोधन का जिक्र करते हुए कहा कि अब प्रदेश में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए डीएलसी दर के साढ़े सात प्रतिशत पर भूमि का आवंटन किया जा सकेगा। इससे हमारे यहां प्रचुर मात्रा में प्रकृति प्रदत्त सोलर रेडिएशन का उपयोग तो होगा ही, सोलर कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग में निवेश एवं रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राज्य में विद्युत तंत्र के सुदृढीकरण के लिए आरडीएसएस योजना के माध्यम से 10 हजार करोड़ रूपए के कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। जिससे नए 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशनों के निर्माण तथा फीडर सुधार जैसे कार्यों को गति मिलेगी और उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति संभव होगी।

नागर ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में सस्ती बिजली सुलभ कराने के उद्देश्य से कुसुम योजना को गति दे रही है। उन्होंने बताया कि सरकार बनने के कुछ ही माह में इस योजना के तहत फीडर स्तर के सोलराइजेशन के लिए करीब 4468 मेगावाट के कार्यादेश दिए जा चुके हैं।

जल्द ही इस योजना में 5 हजार मेगावाट के प्लांट और आने की प्रक्रिया में हैं। इस योजना से जुड़कर किसान अपनी अनुपजाऊ भूमि का उपयोग ऊर्जा उत्पादन में कर पा रहे हैं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हम राजस्थान में पीएम सूर्यघर योजना के तहत 5 लाख घरों में रूफ टॉप सोलर लगाने के काम को भी गति दे रहे हैं। इससे पहले राजस्थान सोलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील बंसल, सीईओ नितिन अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने नागर का स्वागत किया और राजस्थान में सोलर सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे नीतिगत निर्णयों के लिए आभार व्यक्त किया। ऊर्जा मंत्री ने सोलर कंपोनेंट एक्सपो का अवलोकन भी किया।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक आज, नए विधायकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस विधायक दल की बैठक मंगलवार को यहां आयोजित होगी जिसमें विधानसभा के बजट सत्र को लेकर चर्चा होगी तथा नवनिर्वाचित विधायकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। पार्टी के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए सोमवार को बताया कि नौ जुलाई को कांग्रेस विधायक दल की बैठक होगी। पार्टी के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा कांग्रेस एवं विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्कलूसिव अलायंस' ('इंडिया') तथा भारत आदिवासी पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों का स्वागत करेंगे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि नौ जुलाई को यहां एक होटल में विधायक दल की बैठक शाम चार बजे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अध्यक्षता में होगी। इस बैठक में राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र को लेकर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी तथा जनहित के मुद्दों को उठाने के लिए रणनीति तैयार होगी। इस बैठक के बाद नवनिर्वाचित विधायकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन होगा।

चतुर्वेदी ने बताया कि एक घंटे के प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा कांग्रेस तथा 'इंडिया' गठबंधन के नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत किया जाएगा। राज्य विधानसभा का बजट सत्र इस समय चल रहा है और दस जुलाई को बजट पेश किया जाना है।

जल जीवन मिशन का संचालन पंचायतों के माध्यम से कराने पर विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचायती राज विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित पेयजल योजनाओं का संचालन ग्राम पंचायतों के समग्र नियंत्रण में देने हेतु विस्तार से चर्चा की गई।इसी क्रम में संचालन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के निदान के संबंध में सरपंच ,जलदाय विभाग, पंचायती राज विभाग एवं ग्राम विकास अधिकारियों ने अपने विचार, समस्याएं एवं समाधान साझा किए।

भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन का संचालन ग्राम पंचायतों के माध्यम से कराने पर जोर दिया जा रहा है।सरपंच संघ द्वारा इस बात पर चिंता व्यक्त की गई कि वर्तमान में आबादी के प्रत्येक घर को जल नहीं मिल रहा है,कुछ घरों पर जल के कनेक्शन तो हो गए है लेकिन गाँव के आखिरी छोर पर बने मकानों, कुछ ऊँचाई पर अन्य मकानों में पानी की आपूर्ति कम हो पा रही है। वर्तमान में जलदाय विभाग द्वारा जिन योजनाओं का ग्रामीण क्षेत्रों में संचालन किया जा रहा है उनकी व्यवस्थाओं का अध्ययन पंचायतों द्वारा किया जा रहा है।

जांच में दवाओं के नमूने अमानक पाने पर फर्मों पर लगाया प्रतिबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने विभिन्न पांच दवाओं के नमूने अमानक एवं 33 दवाओं की आपूर्ति नहीं किये जाने पर विभिन्न कम्पनियों को आपूर्ति के लिए प्रतिबंधित किया है। जिन फर्मों के उत्पाद जाँच में फेल पाए गए हैं या औषधियां निरन्तर/निर्बाध आपूर्ति नहीं की गई। ये कंपनियां इन दवाओं के आगामी एक, दो अथवा तीन वर्ष तक टेंडर में भाग नहीं ले सकेंगी। दवाओं की गुणवत्ता एवं समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। आरएमएससी की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने बताया कि मै. साई पैरेंट्रलस को हेपरिन सोडियम इंजेक्शनए मै. मेडीपोल फार्मास्यूटिकल को एनालाप्रिल मेलियट टेबलेट, मै. मेक्का इंडस्ट्रीज को यूरिन बैग के नमूने अमानक पाए जाने पर दवाओं की आपूर्ति हेतु निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित किया गया है। इसी प्रकार मै. डी.डी. फार्मास्युटिकल्स को एल्प्राजोलम टेबलेट तथा मै. सन लाइफ साइंसेज को सैफूरोक्सिम एक्सेटिल टेबलेट के नमूने अमानक पाए जाने पर दवाओं की आपूर्ति के लिए प्रतिबंधित किया गया है। उल्लेखनीय है कि निगम की गुणवत्ता नीति के अनुसार प्रत्येक आपूर्तित दवा के प्रत्येक बैच की गुणवत्ता जाँच निगम की अनुमोदित लैब में कराई जाती है एवं जाँच में खरा पाए जाने पर ही अस्पतालों में वितरण हेतु सप्लाई की जाती है। ये सभी दवायें निगम की प्रारम्भिक जाँच में अमानक पायी गयी। जिनके आगे जाँच में पुष्टि होने पर सम्बंधित सप्लायर कंपनियों के विरुद्ध उक्त कार्यवाही की गयी है।

श्रीमती गिरि ने बताया कि औषधियों को 22 दवा फर्मों मेसर्स यूनिसुर लाइफकेयर, संेचुरियन रेमेडीज, डॉ. सर्जिकल, फ्लेक्सीकेयर मेडिकल इंडिया, एफी पैरेंट्रल्स, सनलाइफ साइंस, ओलकेयर लेबोरेटरीज, इंटास फार्मास्यूटिकल्स, थिओन फार्मास्यूटिकल्स, कॉसमास रिसर्च लैब, बीडीआर फार्मास्यूटिकल्स इंटरनेशनल, टेलीफ्लेक्स मेडिकल, एलर्जेन हेल्थकेयर, एडवी केमिकल, एसपी एक्योर लैब्स, अल्वेस हेल्थकेयर, एलायंस बायोटेक, इनोवा कैपटैब, एएनजी लाइफ साइंसेज, स्टैनेक्स ड्रग्स एंड केमिकल्स, निरन्तर आपूर्ति नहीं किये जाने पर 33 दवाओं की आपूर्ति हेतु निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

जनता को उसके लोकतांत्रिक हक का इस्तेमाल करने दे भाजपा सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार लोगों को जयपुर में धरना प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस तरह की अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली ना अपनाए एवं जनता को उसके लोकतांत्रिक हक का इस्तेमाल करने दे।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कई युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने मेरे कार्यालय में आकर एवं सोशल मीडिया के माध्यम से बताया है कि वे बेरोजगारी भत्ता, रोजगार, राजीव गांधी युवा मित्र बहाली, भर्तियों की घोषणा जैसे मुद्दों पर जयपुर में धरना प्रदर्शन करना चाहते हैं परन्तु प्रशासन उन्हें सरकार के दबाव में अनुमति नहीं दे रहा है।

गहलोत ने कहा कि धरना प्रदर्शन के लिए आरक्षित शहीद स्मारक से भी उन्हें बार-बार बल-प्रयोग कर भगा दिया जाता है जो कि उचित नहीं है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में अपने हक के लिए शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन जनता का अधिकार है। उनकी बात सुनना सरकार का कर्तव्य है। मैं सरकार एवं पुलिस प्रशासन से आग्रह करता हूं कि इस तरह की अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली ना अपनाएं एवं जनता को उनका लोकतांत्रिक हक इस्तेमाल करने दें।

जयपुर-दिल्ली राजमार्ग पर सड़क हादसे में दंपत्ति व बेटे की मौत

जयपुर। जयपुर जिले के शाहपुरा इलाके में सोमवार को सुबह एक सड़क हादसे में एक दंपत्ति व उसके बेटे की मौत हो गई जबकि बीस लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। इसके अनुसार, हादसा राजस्थान रोडवेज की बस के एक ट्रेलर से टकराने से हुआ। शाहपुरा के थानाधिकारी राम लाल ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब जयपुर से दिल्ली जा रही बस ट्रेलर से टकरा गई। चालक द्वारा ओवरटेक करने के प्रयास में बस आगे चल रहे ट्रेलर से टकराई।

उन्होंने बताया कि हादसे में विजय अग्रवाल (40), उनकी पत्नी टीना अग्रवाल (36) और उनके 16 वर्षीय बेटे प्रीतम की मौत हो गई।

नदबई के पूर्व विधायक जोगिंदर सिंह पर केस दर्ज : बेटियों को सरकारी नौकरी दिलाने के लिए वैभव गहलोत के नाम पर हड़पे लाखों रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नदबई। नदबई के पूर्व विधायक जोगिंदर सिंह अवाना बेटे हिमांशु अवाना व पत्नी बृजेश अवाना के खिलाफ उनके ही निजी सहायक अतर सिंह गुर्जर ने उच्चैन थाने में केस दर्ज करवाया है। इसमें परिवादी ने पूर्व विधायक व उनके परिवार पर धोखाधड़ी से 42 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। खास बात यह है कि दर्ज एफआईआर में वैभव गहलोत के नाम पर बेटियों को नौकरी लगवाने के लिए लाखों रुपए हड़पने का आरोप है।

एफआईआर के मुताबिक परिवादी अतर सिंह पूर्व विधायक जोगिंदर सिंह अवाना के यहां दिसंबर 2018 से 2023 तक 25 हजार रुपए मासिक वेतन पर बतौर निजी सहायक के रूप में काम पर लगा था, लेकिन कभी भी वेतन नहीं दिया गया। जब भी मांग की गई तो कहा गया तुम्हारी बेटी की शादी में इकट्ठा पैसा ले लेना, इससे तुम्हें सहूलियत रहेगी। फरवरी 2022 में एक बार पूर्व सीएम अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत नदबई आए थे, इससे पहले पूर्व विधायक अवाना ने मुझे बेटियों को रीट के माध्यम से सरकारी नौकरी दिलाने के लिए 20 लाख रुपए मांगे। उस दिन मेरी बेटियों को उन्होंने वैभव गहलोत से मिलवाया था। बाद में कहा कि वैभवजी से बात हो गई है, तुम्हारा काम हो जाएगा। परिवादी ने बताया कि वैभव गहलोत की सभा की तैयारी के लिए मैदान की सफाई के लिए चार जेसीबी मशीनें लगाई, जिसका भुगतान करीब डेढ़ लाख रुपए किया गया, यह राशि भी अवाना और उनके पुत्र हिमांशु जो उच्चैन पंचायत समित के प्रधान पद पर थे, नहीं लौटाई गई। उनके फार्म हाउस के उद्घाटन से पहले पूर्व विधायक की पत्नी श्रीमती बृजेश अवाना ने भी मेरे से पूजा सामग्री मंगवाई जिसकी कीमत करीब 38 हजार रुपए थी, नहीं लौटाई।

उपमुख्यमंत्री बैरवा की केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से की भेंट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की।

केंद्रीय मंत्री से भेंट के दौरान राजस्थान में विकास और प्रगति के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सिंह के कुशल नेतृत्व में राष्ट्र रक्षा के क्षेत्र में कीर्तिमान व उपलब्धियाँ हासिल कर रहा है।

अमरनाथ यात्रा के लिए दूरसंचार बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाया गया: डीओटी

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने अमरनाथ यात्रा के लिए दूरसंचार बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार किए जाने की जानकारी दी। इसका मकसद तीर्थयात्रियों के लिए निर्बाध मोबाइल संपर्क सुनिश्चित करना है। बयान के अनुसार, एयरटेल, बीएसएनएल तथा रिलायंस जियो सहित प्रमुख दूरसंचार परिचालकों के सहयोग से यात्रा मार्गों पर निरंतर संपर्क प्रदान करने के लिए बुनियादी ढांचे को उन्नत किया गया है। निर्बाध मोबाइल संपर्क सुनिश्चित करने के लिए (एयरटेल, आरजेआईएल और बीएसएनएल) की कुल 82 ढांचागत सुविधाएं (साइट) सक्रिय रहेंगी। इसमें कहा, ''यात्रा मार्गों पर 31 नई ढांचागत सुविधाएं स्थापित की हैं, जिससे इनकी संख्या बढ़कर 2024 में 82 हो गई है। 2023 में संख्या 51 थी। इस कदम का मकसद तीर्थयात्रियों और जनता को निर्बाध मोबाइल संपर्क प्रदान करना है।''

असम में बाढ़ के कारण काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 131 वन्य जीव मारे गए, 96 को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम स्थित काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ की वजह से अब तक कम से कम 131 वन्य जीव मारे गए हैं जबकि 96 अन्य को बचा लिया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मृत जानवरों में छह गैंडे और 117 पाढ़ा (हिरण की प्रजाति का जानवर) शामिल हैं। इनमें 98 डूबने से, दो वाहन की चपेट में आने से और 17 इलाज के दौरान मारे गए। दो सांभर, एक रीसस मकाक (बंदर की प्रजाति) और एक ऊदबिलाव की मौत डूबने के कारण हुई। इलाज के दौरान कुल 25 जानवरों की मौत हुई जिनमें 17 पाढ़ा, एक बारासिंगा, एक रीसस मकाक और एक ऊदबिलाव शामिल हैं। वन अधिकारियों ने 85 पाढ़ा, दो गैंडों, दो सांभर, दो उल्लू, एक बारासिंगा, एक खरगोश, एक रीसस मकाक, एक ऊदबिलाव, एक हाथी और एक जंगली बिल्ली को बचाया। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल 25 जानवरों का इलाज किया जा रहा है जबकि 52 अन्य का इलाज हो चुका है। उद्यान पिछले कुछ वर्षों में अब तक की सबसे भीषण बाढ़ से प्रभावित हुआ है। इससे पहले 2017 में आई भीषण बाढ़ के कारण 350 से अधिक वन्यजीव मारे गए था। हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य में बाढ़ ने इंसानों और जानवरों को समान रूप से प्रभावित किया है और '' हर किसी की मदद के लिए 'टीम असम' चौबीसों घंटे काम कर रही है।'' शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैंने हाल में काजीरंगा से गुजरते समय फंसे हुए नन्हे गैंडे को देखा और इसके तत्काल बचाव का निर्देश दिया।'' अधिकारी ने बताया कि पूर्वी असम वन्यजीव प्रभाग में कुल 233 शिविरों में से 69 शुक्रवार शाम तक बाढ़ में डूबे हुए थे। इस बीच, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत एनएच-37 (नया एनएच-715) पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित करने और इनकी गति 20 से 40 किमी/घंटा के बीच सीमित करने के लिए निषेधाज्ञा लागू है।

कुलगाम मुठभेड़ : लांस नायक प्रदीप नैन की हरियाणा के पैतृक गांव में अंत्येष्टि की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में मुठभेड़ में शहीद हुए लांस नायक प्रदीप नैन की अंत्येष्टि सोमवार को हरियाणा के जींद जिला स्थित उनके पैतृक गांव में पूरे सैन्य सम्मान के साथ की गई। हरियाणा के मंत्री कमल गुप्ता भी उस वक्त मौजूद थे जब पैरा कमांडो नैन (27) का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हुआ।

नैन की शहादत की सूचना मिलने के बाद से उनके माता-पिता, बहन और पत्नी शोकाकुल हैं। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में हुई दो मुठभेड़ में छह आतंकी मारे गए, जबकि दो सैनिकों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। जिले के दो गांवों में शनिवार को मुठभेड़ शुरू हुई थी। सेना के एक पैरा कमांडो सहित दो जवानों ने आतंकवादियों से लड़ते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

ओडिशा में रथ यात्रा के दौरान दो लोगों की मौत, 130 से अधिक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान दो अलग-अलग घटनाओं में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 130 से अधिक घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पुरी में रथ यात्रा के दौरान रविवार को भगदड़ जैसी स्थिति में बोलांगीर जिले के एक निवासी की कथित तौर पर दम घुटने से मौत हो गई।

सेंट जॉन एंबुलेंस सेवा के अधिकारी सुशांत कुमार पटनायक ने कहा, ''जब उसे एंबुलेंस में ले जाया गया तो उसकी नब्ज चल रही थी। हम उसे अस्पताल ले गए और उसे सीपीआर दिया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।''

सूत्रों के अनुसार भगवान बलभद्र का रथ खींचते समय ग्रैंड रोड पर श्रद्धालु बेहोश हो गया। उसे तुरंत पुरी जिला मुख्यालय के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों उसे मृत घोषित कर दिया।

इस घटना दुख प्रकट करते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मृतक के परिजनों को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायल श्रद्धालुओं का बेहतर उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटना में रविवार को झारसुगुड़ा जिले में रथ यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु की कथित तौर पर रथ के पहिये के नीचे आने से मौत हो गई।

यह हादसा जिले के कुकुजंघा गांव में हुआ। मृतक की पहचान श्याम सुंदर किशन (45) के रूप में हुई है।

रथ खींचते समय वह नीचे गिर गया और रथ का पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। उसे तुरंत जिला मुख्यालय के अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुरी जिले के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रथ यात्रा के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों सहित 130 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

स्वास्थ्य सेवा निदेशक विजय महापात्रा ने बताया कि पुरी में 600 से अधिक लोग अस्पताल और चिकित्सा शिविरों में पहुंचे।

हालांकि, करीब 130 लोगों को ही भर्ती किया गया है। उन्होंने कहा, ''रथ यात्रा के दौरान अस्पताल में इस तरह लोगों का भर्ती होना सामान्य बात है। घायलों में से किसी की हालत बेहद गंभीर नहीं है। ''

पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर के बगैर लोकतंत्र का इतिहास अधूरा : यशवंत सिंह

लखनऊ/बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री और लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक यशवंत सिंह ने सोमवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र का इतिहास पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर के बिना पूर्ण नहीं हो सकता। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यशवंत सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर की 17वीं पुण्यतिथि के अवसर पर यहां 'चन्द्रशेखर चबूतरा' पर आयोजित स्मृति सभा को संबोधित करते हुए कहा, जो लोग लोकतंत्र में यकीन करते हैं, उन्हें चन्द्रशेखर को ठीक से पढ़ना चाहिए और उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

सिंह ने 1974-1975 की याद दिलाते हुए कहा, ''कांग्रेस में बड़े-बड़े नेता इंदिरा गांधी की नीतियों से सहमत नहीं थे।1977 में चुनाव घोषित होने के बाद कई ने कांग्रेस से इस्तीफा भी दिया लेकिन 1974-75 में उनमें इंदिरा गांधी को टोकने की हिम्मत नहीं थी।'' रायबरेली से इंदिरा गांधी के निर्वाचन पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय का एक फैसला आने के बाद देश में 1975 में आपातकाल लागू कर दिया गया था। पूर्व मंत्री ने कहा, ''ऐसे कठिन काल में चन्द्रशेखर ने इंदिरा गांधी से बार-बार कहा कि जयप्रकाश जी संत हैं, उनसे बात करिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस देश में सत्ता जब संतों से टकराती है तो चूर-चूर हो जाती है।''

राहुल गांधी 'राजनीतिक पर्यटक', मणिपुर की शांति उन्हें नहीं पच रही: भाजपा नेता चुघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सोमवार को मणिपुर की यात्रा पर गए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'राजनीतिक पर्यटक' करार दिया और आरोप लगाया कि उनसे इस पूर्वोत्तर के राज्य की 'शांति' पच नहीं रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के पास तमिलनाडु में जहरीली शराब से और पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों से मिलने का समय नहीं है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मणिपुर की शांति राहुल गांधी जैसे 'पॉलिटिकल टूरिस्ट' से पच नहीं रही है। प्रधानमंत्री ने सदन में मणिपुर की स्थिति और किस कुशलता से केंद्र व राज्य सरकार ने मिलकर राज्य को संभाला है, उसका विवरण सदन में खुद दिया है।'' राहुल गांधी के पास हाथरस और मणिपुर जाने का तो समय है पर तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जाने का समय नहीं है क्योंकि इन राज्यों में उनके सहयोगी दल सरकार में हैं। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु में जहरीली शराब पीने से लोग मर रहे हैं और हत्याएं हो रही हैं। बंगाल में चुनाव बाद हिंसा हो रही है, बलात्कार हो रहा है, चुन-चुन कर हत्याएं हो रही हैं और लोगों के घर जलाए जा रहे हैं। पर इस 'पॉलिटिकल टूरिस्ट' के लिए ना बंगाल के लिए समय है ना तमिलनाडु के लिए समय है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''जानबूझकर शांत हुए प्रदेशों में जाकर पॉलिटिकल टूरिज्म किया जा रहा है।''

धनखड़ ने फिर साधा चिदंबरम पर निशाना, कहा :

सदन में आपका नहीं बोलना आपकी सहमति के समान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तीन आपराधिक न्याय कानूनों पर टिप्पणियों को लेकर सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम पर नये सिरे से हमला किया और कहा कि कोई संसद सदस्य किसी विधेयक पर चर्चा में भाग नहीं लेकर सहमति जताता है।

शनिवार के बाद से यह दूसरी बार है जब धनखड़ ने एक जुलाई को लागू हुए तीन आपराधिक न्याय कानूनों - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर टिप्पणियों को लेकर चिदंबरम पर निशाना साधा है। यहां राज्यसभा प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए, धनखड़ ने चिदंबरम का नाम लिए बिना कहा, ''उन्होंने सदन (राज्यसभा) में कुछ नहीं कहा। वह समिति (गृह संबंधी स्थायी संसदीय समिति) के सदस्य थे।'' धनखड़ ने कहा कि यदि कोई सदस्य समिति का हिस्सा है, समिति के समक्ष अपनी बात रखता है, समिति बहुमत के साथ विपरीत राय रखती है, तो उस सदस्य के पास सदन की कार्यवाही में भाग लेने और अपनी बात बताने और दूसरों को तर्क आदि से समझाने का बहुत अच्छा अवसर होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''अगर आप अपना संवैधानिक कर्तव्य अदा नहीं करते, यदि आप चर्चा में भाग नहीं लेते, अगर आप अपनी राय नहीं रखते। और फिर आप बाहर कुछ कहते हैं तो आपके पास बहुमूल्य अवसर था, संवैधानिक मंच था, एक दुर्लभ अवसर था जो केवल संसद सदस्यों के लिए उपलब्ध है, आप उस अवसर का लाभ उठाने में विफल रहते हैं, एक तरह से आप अपना अधिकार खो देते हैं।''

कोलकाता में सब्जियों की ऊंची कीमतों से लोग परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के बाजारों में सब्जियों, अंडे और 'पॉल्ट्री' मांस की खुदरा कीमतें ऊंची होने के कारण आम आदमी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के कई बाजारों में सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि टमाटर की कीमतें एक महीने पहले के 45-50 रुपये से बढ़कर 80-100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। बैंगन 110-140 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है, जो जून की शुरुआत के दाम के मुकाबले करीब 150 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। करेला, हरी मिर्च और लौकी जैसी कई अन्य सब्जियों की कीमतों में भी औसतन 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। स्थानीय बाजारों में अंडे और 'पॉल्ट्री' मांस की कीमतों में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पश्चिम बंगाल विक्रेता संघ से जुड़े एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' अब बंगाल में टमाटर अन्य राज्यों से आ रहा है। लू और भारी बारिश के कारण बेंगलुरु और हिमाचल प्रदेश से टमाटर की आपूर्ति कम हो गई है। इसकी वजह यह है कि उत्पादन भी प्रभावित हुआ है।'' कृषि मंत्री सोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा उर्वरकों तथा परिवहन सब्सिडी में किसानों के लिए सहायता कम करने के बाद से लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है, जबकि जलवायु परिस्थितियों ने भी स्थिति को और खराब कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस के नेता चट्टोपाध्याय ने कहा, '' पश्चिम बंगाल सरकार हमारे किसानों को लगातार मदद कर रही है। किसान कच्चे माल की लागत में वृद्धि से प्रभावित हैं। दूसरी ओर केंद्र विभिन्न सब्सिडी में कटौती कर रहा है। इसलिए किसान और आम आदमी दोनों ही परेशान हैं।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास खुदरा वितरण नेटवर्क 'सुफल बांग्ला' है, जिसकी दुकानों पर सब्जियां तथा खाद्य सामग्री उचित मूल्य पर बेची जाती है। चट्टोपाध्याय ने कहा, '' 'सुफल बांग्ला' में टमाटर की कीमत 65 रुपये प्रति किलोग्राम है, जबकि खुदरा बाजार में इसकी कीमत न्यूनतम 80 रुपये है। करेला 72 रुपये प्रति किलोग्राम और बैंगन 102 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है, जो 10-20 प्रतिशत सस्ता है। हम दुकानों की संख्या 484 से बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।''

'मोदी को पुतिन के साथ बातचीत में रूस की सेना में भारतीयों की भर्ती के मुद्दे को उठाना चाहिए'

हैदराबाद/भाषा। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत में रूस की सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती के मुद्दे को उठाना चाहिए और यूक्रेन युद्ध में लड़ने के लिए भारतीयों की भर्ती को भी रोका जाना चाहिए।

हैदराबाद से सांसद ओवैसी ने कहा कि रूस यात्रा पर गए प्रधानमंत्री को सुनिश्चित करना चाहिए कि युद्ध क्षेत्र में फंसे हुए भारतीयों को जल्द से जल्द स्वदेश वापस लाया जाए। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''नरेन्द्र मोदी रूस में हैं तो उन्हें पुतिन के साथ यह मुद्दा उठाना चाहिए और यूक्रेन युद्ध में लड़ने के लिए भारतीयों की भर्ती रोकनी चाहिए। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि युद्ध में फंसे बेगुनाह भारतीयों को जल्द से जल्द घर वापस लाया जाए।''

मोदी सरकार के 'अन्याय काल' में निजी निवेश निचले स्तर पर पहुंचा: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में नए निजी निवेश के कथित तौर पर 20 साल के निचले स्तर पर पहुंचने पर सोमवार को चिंता जताई और आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में 'बिना सोचे समझे नीति परिवर्तन' होने और भय के माहौल से देश को नुकसान हुआ है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि ''मोदी-निर्मित अन्याय काल'' में हर दिन आर्थिक विफलता का एक नया रिकॉर्ड बन रहा है।

रमेश ने एक बयान में कहा, ''हम पहले ही 45 साल की उच्च बेरोजगारी दर, 50 साल की सबसे कम घरेलू बचत दर और वास्तविक ग्रामीण खपत में पहली बार कमी देख चुके हैं। अब, हमारे पास एक और परेशान करने वाला तथ्य है। 'द हिंदू' (अंग्रेजी अखबार) की रिपोर्ट है कि इस 2023/24 वित्तीय वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में कॉरपोरेट द्वारा घोषित ताजा निवेश केवल 44,000 करोड़ रुपये है, यह 20 साल का निचला स्तर है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह के कार्यकाल की तुलना 'नॉन-बायोलॉजिक प्रधानमंत्री' के कार्यकाल से करते हैं तो पता चता है कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के समय जीडीपी के प्रतिशत के रूप में निवेश (समय के साथ औसत) 33.4 प्रतिशत और 'अन्याय काल' में 28.7 प्रतिशत रहा।

रमेश के मुताबिक, मनमोहन सिंह के नेतृत्व में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में एफडीआई 2004 में 0.8 प्रतिशत से बढ़कर 2014 में 1.7 प्रतिशत हो गया तथा 2022 तक यह अब 1.5 प्रतिशत रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में 'बिना सोचे समझे नीति परिवर्तन' होने और भय के माहौल से देश को नुकसान हुआ है।

मोदी सरकार के 'मित्रवादी पूंजीवाद' से मिला कुछ कंपनियों को लाभ : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को मोदी सरकार पर 'मित्रवादी पूंजीवाद' का आरोप लगाया और कहा कि कंपनियों को विस्तार करना चाहिए, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि किसी कंपनी का एकाधिकार न हो और सत्ता तक पहुंच का किसी को अनुचित लाभ न मिले। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी की निगरानी में बाजार का संकेंद्रण लगातार बढ़ रहा है और दूरसंचार, विमानन, सीमेंट, इस्पात और टायर जैसे प्रमुख उद्योगों में यह नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक खबर साझा की जिसमें दावा किया गया है कि भारत के प्रमुख उद्योगों में बाजार संकेंद्रण में वृद्धि जारी रही, क्योंकि शीर्ष कंपनियों ने 2023-24 में विकास या अधिग्रहण के माध्यम से कारोबार का बड़ा हिस्सा हासिल कर लिया। रमेश ने आरोप लगाया, ''मित्रवादी पूंजीवाद 'नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री'' की बुनियादी आर्थिक नीति है। मोदी जी की देखरेख में बाजार का संकेंद्रण लगातार बढ़ रहा है और यह दूरसंचार, विमानन, सीमेंट, इस्पात और टायर जैसे प्रमुख उद्योगों में नई ऊंचाई पर पहुंच गया है।''

उमा छेत्री कड़ी मेहनत करने वाली क्रिकेटर है : बाली

चेन्नई/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के क्षेत्ररक्षण कोच मुनीश बाली ने उमा छेत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह युवा विकेटकीपर 'वास्तव में कड़ी मेहनत करने वाली क्रिकेटर है।' इक्कीस वर्षीय छेत्री ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए दूसरे मैच में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने दीप्ति शर्मा की गेंद पर तेजमिन ब्रिट्स को स्टंप आउट किया। इससे पहले वह इसी बल्लेबाज को स्टंप के आगे से गेंद पकड़ने के कारण जीवनदान दे चुकी थी। बाली ने हालांकि छेत्री का बचाव किया और कहा कि इस युवा खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में शॉर्ट लेग पर जिस तरह से क्षेत्ररक्षण किया वह सराहनीय है।

बाली ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''मुझे बहुत खुशी है कि उसे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला। टेस्ट मैच के दौरान उसने 70 से 80 ओवर तक फील्डिंग की थी। वह बहादुर लड़की है।'' उन्होंने कहा,''शॉर्ट लेग पर फील्डिंग करना आसान नहीं होता है। उसे तब चोट भी लगी थी लेकिन दर्द के बावजूद भी उसने वहां पर फील्डिंग की। उसका रवैया शानदार है और वह वास्तव में कड़ी मेहनत करने वाली क्रिकेटर है। मुझे बहुत खुशी है कि उसने ब्रिट्स को स्टंप आउट किया।'' दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 177 रन बनाए लेकिन भारतीय पारी शुरू होने से पहले ही बारिश आ गई जिसके कारण मैच रद्द करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका पहला मैच जीत कर तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। तीसरा और अंतिम मैच मंगलवार को खेला जाएगा।

हार नहीं माननी है और अंत तक लड़ना है, टी20 विश्व कप जीत बनी हॉकी दिग्गज श्रीजेश की प्रेरणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। 'अंत तक हार नहीं माननी है और लड़ते रहना है', भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्व कप में खिताबी जीत ने अपना चौथा ओलंपिक खेलने जा रहे भारतीय हॉकी के महान गोलकीपर पी आर श्रीजेश को भी प्रेरित किया है जो इसे पेरिस में याद रखेंगे । भारत ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप के रोमांचक फाइनल में हार की कगार पर पहुंचने के बाद हराया और 11 साल बाद आईसीसी खिताब जीता । श्रीजेश ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' मैने फाइनल मैच देखा था । मैने इससे सबसे बड़ी सीख ली है कि आखिरी गेंद से पहले जश्न नहीं मनाना है । दक्षिण अफ्रीका 15वें ओवर तक आसानी से जीत रहा था लेकिन भारतीय टीम ने उम्मीद नहीं छोड़ी और हार की कगार पर पहुंचकर जीत दर्ज की ।''

भारत के लिये 328 मैच खेल चुके इस दिग्गज ने कहा ,'' इससे हमें ही नहीं बल्कि ओलंपिक जाने वाले हर खिलाड़ी को सीखना चाहिये । हार नहीं माननी है, इंतजार करना है और अंतिम समय तक डटे रहना है, जीत जरूर मिलेगी । मैं इसे ओलंपिक में याद रखूंगा ।'' बोर्ड के इम्तिहान में ग्रेस अंक पाने के लिये हॉकी खेलना शुरू करने से ओलंपिक पदक जीतने और चौथा ओलंपिक खेलने तक, श्रीजेश ने दो दशक के अपने कैरियर में लंबा सफर तय किया है । उन्होंने चौथा ओलंपिक खेलने के बारे में कहा ,'' यह बहुत सम्मान और गर्व की बात है लेकिन इसके साथ जिम्मेदारियां भी हैं। युवाओं के मार्गदर्शन की जिम्मेदारी, टीम को लक्ष्य हासिल करने के लिये प्रेरित करने की जिम्मेदारी ।'' उन्होंने कहा ,'' मेरा सफर सपने जैसा रहा है । बोर्ड परीक्षा में ग्रेस अंक लेने के लिये खेलना शुरू किया तो कभी सोचा नहीं था कि भारत की जर्सी पहनूंगा और ओलंपिक खेलूंगा । चौथा ओलंपिक सपना ही लगता है । अब तक धनराज पिल्लै ने ही चार ओलंपिक, चार विश्व कप, चैम्पियंस ट्रॉफी और एशियाई खेलों में भाग लिया । चार ओलंपिक खेलने वाला मैं पहला गोलकीपर हूं , विश्वास नहीं होता ।''

सुविचार

इंसान को कभी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए, क्योंकि पहाड़ से निकली नदी किसी से रास्ता नहीं पूछती की समन्दर कहाँ है?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बाड़ ही खेत को खाए तो ...

केरल में साल 2016 से 2024 तक सेवा से बर्खास्त किए गए पुलिसकर्मियों के आंकड़े (108) से जुड़ा वह बिंदु चिंतनयोग्य है, जो इन्हें सेवा से निकाले जाने का आधार बना। ये पुलिसकर्मी 'आपराधिक गतिविधियों' में लिप्त थे! जब रक्षक ही भक्षक बन जाएगा तो समाज का क्या होगा? बाड़ ही खेत को खाने लगेगी तो रखवाली कौन करेगा? आज किसी नौजवान के लिए पुलिस में भर्ती होना आसान नहीं है। वर्षों की पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षा, साक्षात्कार, शारीरिक जांच, मनोवैज्ञानिक परीक्षण, प्रशिक्षण जैसी कई सीढ़ियां पार करने के बाद पुलिस की वर्दी पहनने को मिलती है। सेवा में जाने से पहले शपथ लेनी होती है कि पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। इसके बावजूद यह हाल है! बेशक पुलिस में मेहनती, ईमानदार और निष्ठावान अधिकारी-कर्मचारी भी होते हैं। उन्हें देखकर आम लोगों में यह भरोसा मजबूत होता है कि हमारी सुनवाई होगी, इन्साफ मिलेगा, लेकिन इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि ऐसे अधिकारी-कर्मचारी भी होते हैं, जो अपने कार्यों से वर्दी को दागदार करते हैं। सरकार को ऐसे लोगों के मामलों में कोई नरमी नहीं दिखानी चाहिए। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर नजीर पेश करनी चाहिए। हर साल जब पुलिस सेवा के लिए चुने गए युवा मीडिया को दिए अपने साक्षात्कार में यह कहते हैं कि 'हम वर्दी पहनकर देश की सेवा करेंगे', तो देशवासियों के दिलों में यह उम्मीद पैदा होती है कि शायद अब पुलिस व्यवस्था में कुछ सुधार होगा, कानून का बोलबाला होगा, अपराधियों में डर पैदा होगा, लेकिन वर्षों बाद भी धरातल पर कोई खास बदलाव नजर नहीं आता।

ईमानदार व कर्मठ पुलिस अधिकारी अपने कार्यों से वर्दी का मान बढ़ाते हैं। वहीं, ऐसे मामलों की भी कमी नहीं है, जिनमें पुलिसकर्मी ही मर्यादा को भंग करते पाए गए। शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता होगा, जब अखबारों में पुलिसकर्मियों के 'कारनामों' का जिक्र न हो। ऐसे में लोगों का पुलिस से विश्वास कम होना स्वाभाविक है। पुलिस से उम्मीद की जाती है कि उससे आम लोगों में विश्वास और अपराधियों में डर पैदा होगा। पुलिस को लेकर आम लोगों में कितना विश्वास है, यह जानने के लिए किसी भी आम नागरिक से पूछकर देखिए, जवाब मिल जाएगा। यह कड़वी हकीकत है कि आज जब किसी शरीफ व गरीब आदमी पर कोई मुसीबत आती है और उसे पुलिस के पास जाना होता है तो वह (जाने से पहले) कई बार सोचता है। उसके मन में कई आशंकाएं होती हैं। वह किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढ़ने की कोशिश करता है, जिसकी थाने में 'जान-पहचान' हो। आज भी जब कोई आम आदमी किसी वजह से देर रात घर लौटता है और सुनसान रास्ते में पुलिस को देखता है तो उसे डर लगता है। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जब सुनसान रास्ते में कुछ पुलिसकर्मियों ने ही आम आदमी की जेबें खाली कर दीं। सालभर पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत वायरल हुआ था, जिसमें किसी विदेशी पर्यटक से एक भारतीय पुलिसकर्मी रिश्वत लेता नजर आया था। यह बात वहीं दबकर रह जाती, अगर उस पर्यटक की कार में कैमरा न होता! उस वीडियो ने देश-विदेश में पुलिस की बहुत किरकिरी कराई। कई विदेशी नागरिकों ने टिप्पणियां की थीं कि वे ऐसी जगह पर्यटन के लिए नहीं जाएंगे, जहां पुलिस ही उन्हें लूट ले! डेनमार्क, नीदरलैंड, स्वीडन, जापान, सिंगापुर और जर्मनी जैसे देशों ने समय के साथ पुलिस व्यवस्था में जो सुधार किए, उनमें आम लोगों के साथ विनम्रतापूर्ण व्यवहार पर बहुत जोर दिया गया। जब कोई पीड़ित व्यक्ति थाने में फरियाद लेकर पहुंचता है और वहां मौजूद पुलिसकर्मी उससे अच्छा व्यवहार करता है तो उसकी पीड़ा निश्चित रूप से कुछ कम हो जाती है। क्या ही अच्छा हो, अगर हर थाने में ऐसे पुलिस अधिकारी-कर्मचारी हों, जो आम जनता का दु:ख-दर्द समझें! सरकारों को चाहिए कि वे भ्रष्ट, अकर्मण्य और बुरा व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ खूब सख्ती दिखाएं। उन्हें नौकरी से हटाएं। इसके साथ ही पुलिस और जनता के बीच जुड़ाव मजबूत करें। कई अपराध तो इस जुड़ाव के कारण ही खत्म हो जाएंगे।

ट्वीटर टॉक

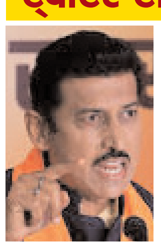

पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान दुर्भाग्यपूर्ण घटना का दु:खद समाचार मिला। भगवान जगन्नाथ जी से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

लोकप्रिय राजनेता, प्रखर वक्ता एवं 'जननायक' पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा एवं वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित आपका जीवन प्रेरणाप्रद है।

-दीया कुमारी

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसें में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत दु:खद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सेवा से स्वर्ग

सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी का जन्म वर्ष 1182 में इटली के एक समृद्ध परिवार में हुआ था। युवावस्था में वे किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो गए। उनके बचने की आशा नहीं रही, तो उन्होंने अपने को ईश्वर को समर्पित कर दिया। एक दिन उन्हें अनुभूति हुई कि प्रभु ईसा पास खड़े होकर कह रहे हैं, 'धन-संपत्ति के मोह से मुक्त होकर अपना जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित करने का संकल्प लो। मृत्यु स्वत: दूर भाग जाएगी।' इसके बाद फ्रांसिस निरोग होते गए। एक दिन उन्होंने अपने पिता बर्नार्डोन से कहा, 'इस शर्त पर मुझे प्रभु ईसा से जीवनदान मिला है कि मैं अपना सर्वस्व गरीबों और भटके लोगों की सेवा-सहायता में बिताऊंगा।' क्रुद्ध होकर पिता ने उसे संपत्ति से वंचित कर दिया। फ्रांसिस भिक्षुक बनकर प्रेम व सहायता जैसे सत्कर्मों में जुट गए। ईसा मसीह के जन्मदिन पर बर्नार्ड नामक एक धनी व्यक्ति ने चर्च में भव्य समारोह का आयोजन किया। फ्रांसिस ने उसे उपदेश देते हुए कहा, 'ईसा इस प्रकार के निरर्थक प्रदर्शन से खुश नहीं होंगे। उन्हें प्रसन्न करना है, तो अपनी आवश्यकता के अनुसार धन-संपत्ति अपने पास रखो, शेष गरीबों और जरूरतमंदों के कल्याण में लगा दो।

सामयिक

साइबर अपराधियों से बैंकों को बचाना जरूरी

आर.के.सिन्हा

नरेन्द्र मोदी सरकार के केन्द्र में लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने के बाद एक उम्मीद पैदा हुई है कि सरकार अब बैंकिंग सेक्टर को अधिक पारदर्शी और बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाती रहेगी। बीते कुछ सालों के दौरान, भारतीय बैंकों ने जितने उतार-चढ़ाव झेले हैं, शायद किसी अन्य देश ने नहीं झेला होगा। कई भारतीय बैंक अनेक घोटालों-घपलों, ऋण अदायगी न होने, जालसाजियों, अनर्जक परिसम्पत्तियों (नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स) के बढ़ते बोझ, कर्जमाफी की गलत नीतियों आदि के कारण कई बार तो पूरी तरह डूब गए या भारी घाटे में चले गए। इससे निपटने के लिए पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने कुछ कदम भी उठाए, लेकिन, इनके आधे-अधूरे कार्यान्वयन से आशातीत सफलता नहीं मिली। लेकिन, राहत की बात है कि मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र में फैली गड़बड़ियों को दूर करने के लिए अनेक फौरी कदम उठाए, जिससे बैंकों की स्थिति में अब धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। अनेक बैंक न सिर्फ घाटे से उबर कर लाभ की ओर अग्रसर हैं, बल्कि अनेकों घोटालों पर लगाम भी लगी है। अनेक घोटालेबाज़ों की सम्पत्ति कुर्क कर ऋण वसूली भी की गई है, बैंकों का पुनर्पूंजीकरण किया गया और अनर्जक परिसम्पत्तियों का बोझ काफी कम हुआ है। क्या यह सुखद स्थिति नहीं है कि 2013 से 2017 के बीच बैंकों की अनर्जक परिसम्पत्तियां 12.47 प्रतिशत थी, जो धीरे-धीरे लुढ़कते हुए सितंबर 2023 में 3.2 प्रतिशत हो गई, भले ही इसमें सरकार द्वारा बैंकों के पुनर्पूंजीकरण का एक महत्वपूर्ण योगदान रहा। अब सवाल यह है कि क्या बैंकों में सुधार की वर्तमान स्थिति भविष्य में भी जारी रहेगी या लौट के बुद्धु घर आए की कहावत चरितार्थ होगी?

भारतीय बैंक इस तथ्य के साक्षी हैं कि देश की आज़ादी से पहले और बाद में भी वे डूबते रहे या भारी घाटा सहते रहे हैं। यह उबड़-खाबड़ स्थिति सोचने को विवश करती है कि जब तक लंबे समय तक सुधार प्रक्रिया जारी नहीं रहेगी, तब तक समस्या का स्थायी निराकरण संभव नहीं है। इस विषय पर वरिष्ठ लेखक श्रीपाल जैन की हालिया प्रकाशित पुस्तक -भारतीय बैंकों का बदलता चेहराउपरोक्त विविध पहलुओं का बखूबी विश्लेषण करती है। आज़ादी से पहले और बाद में बैंकों में घोटालों, महाघोटालेबाज़ों, जालसाजी के हथकंडों, बैंकिंग में साइबर अपराधों, येस बैंक के उत्कर्ष एवं पतन, अनर्जक परिसम्पत्तियों के मकड़जाल आदि का विस्तृत विवरण दिया गया है। साथ ही, बैंकों के निजीकरण की गूंज, कृषि ऋणमाफी के अर्थशास्त्र, नोटबंदी, जन-धन योजना, रिजर्व बैंक की स्वायत्तता, डिजिटल बैंकिंग की बढ़ती लोकप्रियता एवं जोखिम आदि की आलोचनात्मक चर्चा की गई है।

देश में आज़ादी के बाद निजी और सरकारी बैंक दोनों थे, लेकिन, उनमें अनेक घोटाले हुए और कई बैंक डूबे भी। फिर भी, सरकारी बैंक अर्थव्यवस्था की प्रगति एवं व्यवसाय में वृद्धि में एक प्रमुख इंजन रहे। निजी बैंक आम लोगों के आसानी से खाते भी नहीं खोलते थे। जुलाई 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से आम जनता की बैंकों तक पहुंच बढ़ने लगी। इस दौर में अनेक बैंकों का विलय हुआ, जिसके कतिपय सकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगे। लेकिन धीरे-धीरे सरकारी बैंकों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, राजनीतिक हस्तक्षेप आदि से असली और फर्जी कंपनियों को अनाप-शनाप मात्रा में ऋण दिए गए, जिनमें से कइयों की वसूली नहीं हुई या आंशिक वसूली हो पाई। इससे सरकारी और निजी बैंकों दोनों को भारी घाटा हुआ।

1990 के दशक के आरंभ में उदारीकरण की नीति अपनाई गई और कुछ समय के बाद आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैंस (क्रेडिट कार्य, डेबिट कार्य, चेकों का शीघ्र समशोधन, बीमा. म्यूचुअल फंड खोलना आदि) एच.डी.एफ.सी., आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, येस बैंक जैसे निजी बैंक लोकप्रिय हुए। निजी बैंकों के नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी ने सरकारी बैंकों के सामने तगड़ी प्रतिस्पर्धा पेश कर दी। इससे सरकारी एवं अन्य निजी बैंक भी नए उत्पादों, योजनाओं और आधुनिक प्रौद्योगिकी का सहारा लेने को विवश हुए। नतीजतन, सरकारी एवं निजी बैंकों की स्थिति में कुछ सुधार अवश्य दर्ज किया गया, लेकिन उदारीकरण की लहर में घोटालों-घपलों, रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार, राजनीति हस्तक्षेप का सिलसिला भी आगे बढ़ता गया। हर्षद मेहता, केतन पारिख के घोटाले और ग्लोबल ट्रस्ट जैसे बैंक के डूबने जैसे घटनाक्रम इसी काल में हुए। मोदी सरकार के प्रथम कार्यकाल में पी.एन.बी. बैंक, पी.एम.सी. बैंक एवं अन्य सहकारी बैंकों, येस बैंक के घोटालों, महाघोटालेबाज़ों के विदेश भागने से भारी संकट पैदा हो गया था। बैंकों की अनर्जक परिसम्पत्तियों को बोझ रिकॉर्ड स्तर को छू गया। ऐसे में छोटे बैंकों का बड़े सरकारी बैंकों में विलय कर उनकी संख्या सीमित रखने की सराहनीय पहल की गई। इस बीच भारत के व्यापार में बेतहाशा वृद्धि जारी रही, जिससे बैंकों में तरलता बरकरार रखी जा सकी। रिजर्व बैंक की निगरानी को अधिक चुस्त-दुरुस्त किया गया।

नोटबंदी, जन-धन योजना, आवास योजनाओं एवं आत्मनिर्भर भारत, मैन्यूफैक्चरिंगऔर अन्य सेक्टरों को भारी बढ़ावा मिला। इस बीच कोविड-19 की महामारी ने दस्तक दी, जिससे अर्थव्यवस्था को गहरा धक्का लगा। लेकिन, मोदी सरकार ने कुछ माह में ही आर्थिक मोर्चे पर नियंत्रण पाने के ठोस प्रयास किए। कोरोना महामारी के दौरान डिजिटल बैंकिंग के जरिए लेन-देन भारी मात्रा में बढ़ा, जिसने अब तक दुनिया में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यू.पी.आई. का देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी डंका बज रहा है।

इसके बावजूद बैंकों के स्वास्थ्य को लेकर निश्चिंत नहीं हुआ जा सकता। छिटपुट बैंक घोटाले अभी भी हो रहे हैं, डिजिटल बैंकिंग में फ्रॉड्स बढ़े हैं, बैंकिंग में साइबर अपराधियों का जाल लगातार फैल रहा है। इससे न केवल बैंकों, बल्कि खाताधारकों को भारी चपत लग रही है। इस मामले में फुलप्रूफ नियंत्रण अभी तक कायम नहीं पाया है।

श्रीपाल जैन ने अपनी पुस्तक के निष्कर्ष में सही कहा है -वर्तमान में अधिकतर बैंक लाभ की ओर अग्रसर हैं। मोदी सरकार ने समस्याओं एवं चुनौतियों को अवसरों में तब्दील किया है, जिसमें रिजर्व बैंक की निगरानी का प्रमुख योगदान माना जा सकता है।लेकिन, जब तक बैंकों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कंपनियों या व्यक्तियों को ऋण देने और बैंकिंग में साइबर अपराधियों की घुसपैठ नहीं रोकी जाती, तब तक बैंकों की मजबूती और फुलप्रूफ सुरक्षा का सपना आधा-अधूरा ही रहेगा।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

मुद्दा

राष्ट्रीय,सामाजिक संदर्भों में कट्टरता देश हित में नहीं

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के बाद से भारत के संविधान में लोकतंत्र को सर्वोपरि स्थान दिया गया है। देश की भौगोलिक तथा जनसंख्यात्मक विशालता में कुछ तत्व सांप्रदायिक हिंसा एवं अराजकता के परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो सकतें हैं, पर भारतीय लोकतंत्र की महानता एवं विशालता है कि इससे संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, पर यह तय है कि सांप्रदायिक हिंसा एवं धार्मिक कट्टरता से लोकतंत्र की अवधारणा थोड़ी दिग्भ्रमित जरूर होती है पर इसकी मजबूती ना तो पहले कम हुई है और ना ही भविष्य में होने की कोई गुंजाइश ही है। हिंसा, विवाद किसी भी बात का कोई हल नहीं। यह लोकतंत्र के लिए एक धब्बे के समान है। किसी भी देश में लोकतंत्र की आम धारणा आपसी सद्भाव और समभाव को लेकर आधारभूत रचनात्मक रूप से की गई है। विश्व के शांति प्रस्तावक भारत देश में हिंसा और हिंसक आंदोलन की कोई जगह नहीं एवं यह किसी धार्मिक, सामाजिक अथवा आर्थिक असहमति का परिणाम तो कतई नहीं हो सकती है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक,प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है। वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया, प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बर्बादी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैं। देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, इसाई जातीय संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय-समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी।

आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा। किसी बात का विरोध हिंसा के बिगड़े स्वरूप की तरफ शासकीय संपत्ति को नष्ट करना देश हित में नहीं।

नजरिया

मध्यवर्गीय परिवारों को केंद्र से है राहत की आस

प्रहलाद सबनानी

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं।

पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए।

किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है।

आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैकों/उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकों/करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंततः देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत सम्भव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले। क्योंकि कई देशों में यह सिद्ध हो चुका है कि कर की राशि को कम रखने से औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है इससे कर की दर को कम करने के उपरांत भी कर संग्रहण में वृद्धि होते हुए देखी गई है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कीव में बच्चों के अस्पताल पर रूस ने किया प्रक्षेपास्त्र हमला, हमलों में 20 लोगों की जान गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन की राजधानी कीव में सोमवार को रूसी मिसाइलों के हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि बच्चों के एक अस्पताल की इमारत को भी व्यापक रूप से नुकसान पहुंचा। मध्य यूक्रेनी शहर क्रीवीं रीह में हुए एक अन्य हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक बयान में कहा कि रूसी बमबारी ने पांच यूक्रेनी शहरों को विभिन्न प्रकार की 40 से अधिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिससे रिहाइशी इमारतें और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे नष्ट हो गए गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने बताया कि सोमवार सुबह हुए हमले में देशभर में कम से कम 20 लोग मारे गए और लगभग 50 लोग घायल हो गए। क्रीवीं रीह में नगर प्रशासन के प्रमुख ओलेक्सांद्र विल्कुल ने कहा कि यह एक बड़े पैमाने पर किया गया मिसाइल हमला था, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गयी और 31 अन्य लोग घायल हो गए।

स्थानीय अधिकारियों ने यूक्रेन के मध्य द्निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में भी विस्फोट की सूचना दी है।

जेलेंस्की ने कहा कि कीव के ओखमाटडिट बच्चों के अस्पताल की आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त इमारत के मलबे से राहतकर्मियों को लोगों की तलाश करते हुए देखा गया। उन्होंने कहा कि यहां हताहतों की संख्या अभी पता नहीं है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि दुनिया अब इस बारे में चुप न रहे और सभी को यह देखना चाहिए कि रूस क्या है और वह क्या कर रहा है।

यह हमला अमेरिका में तीन दिवसीय नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर हुआ है। सम्मेलन में इस बात पर विचार किया जाएगा कि किस प्रकार यूक्रेन को गठबंधन के अटूट समर्थन का भरोसा दिलाया जाए तथा यूक्रेनवासियों को यह आशा प्रदान की जाए कि उनका देश द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष से उबर सकता है।

बच्चों के अस्पताल की दो मंजिला इमारत आंशिक रूप से नष्ट हो गई। अस्पताल की मुख्य 10 मंजिला इमारत की खिड़कियाँ और दरवाजे उखड़ गए और दीवारें काली पड़ गयीं।

यह पिछले कई महीनों में कीव पर सबसे बड़ी बमबारी थी। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि दिन के उजाले में किए गए हमलों में किंजल हाइपरसोनिक प्रक्षेपास्त्र शामिल थे, जो सबसे उन्नत रूसी हथियारों में से एक है।

किंजल ध्वनि की गति से 10 गुना अधिक रफ्तार से उड़ता है, जिससे इसे रोकना मुश्किल हो जाता है। विस्फोटों से शहर की

मर्सिडीज की इलेक्ट्रिक मॉडल के दम पर भारत में नए ग्राहकों को आकर्षित करने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लक्जरी वाहन विनिर्माता मर्सिडीज-बेंज इंडिया पहली बार महंगा वाहन खरीदने की मंशा रखने वाले ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरुआती स्तर के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उतारने की योजना बना रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अय्यर ने पीटीआई-भाषा से कहा कि वाहन स्वामित्व पर आने वाली बड़ी लागत को देखते हुए कंपनी लक्जरी खंड के नए ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए ईक्यूए और ईक्यूबी मॉडल को बेहतर विकल्प के तौर पर पेश कर रही है।

कंपनी ने प्रवेश स्तर की इलेक्ट्रिक एसयूवी ईक्यूए 250 को 66 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उतारा है। इसके अलावा ईक्यूबी 350 एसयूवी (पांच सीटर) मॉडल की कीमत 77.5 लाख रुपये और ईक्यूबी 250प्लस एसयूवी (सात सीटर) की शोरूम कीमत 70.90 लाख रुपये रखी गई है।

अय्यर ने कहा कि कंपनी के नए इलेक्ट्रिक मॉडल ईक्यूए और ईक्यूबी को एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले युवा ग्राहक खरीदकर लक्जरी वाहन का लुत्फ उठा सकते हैं। इसकी वजह यह है कि परंपरागत इंजन वाले मॉडल की तुलना में ईवी मॉडल की स्वामित्व लागत कम पड़ती है।

हालांकि, अय्यर ने कहा कि मर्सिडीज-बेंज इंडिया अपने ईवी खंड में शुरुआती स्तर वाले मॉडल के साथ दो टॉप-एंड लक्जरी ईवी भी लेकर आने वाली है।

उन्होंने कहा, ''हम जल्द ही ईक्यूएस मेबैक एसयूवी की घोषणा करेंगे, जिसकी कीमत तीन करोड़ रुपये से अधिक होगी, जो एक टॉप-एंड ईवी है। इसके अलावा तीन करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाली इलेक्ट्रिक जी-क्लास भी लेकर आएंगे।''

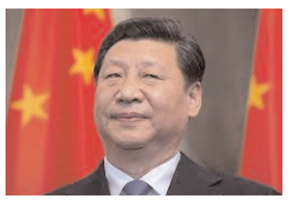

चिनफिंग ने रूस, यूक्रेन के बीच सीधा संवाद शुरू कराने में मदद का आह्वान किया

बीजिंग/एपी। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान से मुलाकात के दौरान वैश्विक महाशक्तियों से सीधा संवाद बहाल करने में रूस और यूक्रेन की मदद करने का आह्वान किया। सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी ने यह जानकारी दी।

ओरबान पिछले सप्ताह रूस और यूक्रेन की यात्रा करने के बाद अचानक चीन पहुंचे। वह यूक्रेन में शांति समझौते की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए ये यात्राएं कर रहे हैं। सीसीटीवी के अनुसार, ओरबान ने शांति के लिए चीन की पहल की तारीफ करते हुए उसे सकारात्मक और महत्वपूर्ण बताया तथा उसे वैश्विक उथल-पुथल के बीच स्थिरता लाने वाली ताकत करार दिया। ओरबान ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि रूस और यूक्रेन के अलावा ''युद्ध खत्म होना तीन वैश्विक महाशक्तियों... अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन के निर्णय पर निर्भर करता है।'' उन्होंने शी चिनफिंग से हाथ मिलाते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की।

शी से ओरबान की दो महीने पहले भी मुलाकात हुई थी जब चीन के राष्ट्रपति यूरोप के तीन देशों की अपनी यात्रा के दौरान हंगरी पहुंचे थे। उन्होंने फ्रांस और सर्बिया की यात्रा भी की थी। ओरबान के शासनकाल में हंगरी ने चीन के साथ महत्वपूर्ण राजनीतिक और आर्थिक संबंध बनाए हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने चुनाव के बाद 'देश की स्थिरता' के लिए प्रधानमंत्री को बरकरार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एपी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चुनाव परिणाम के बाद सोमवार को प्रधानमंत्री गैब्रियल अटल के इस्तीफे से इनकार करते हुए उन्हें अस्थायी रूप से सरकार के प्रमुख के रूप में बने रहने के लिए कहा। इस चुनाव परिणाम के बाद सरकार का भविष्य अधर में है। फ्रांस में कोई भी पार्टी (वाम, मध्यमार्ग या दक्षिणपंथ समर्थक) सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत के नजदीक भी नहीं पहुंच पाई है। रविवार को हुए मतदान के नतीजों से यूरोपीय संघ की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के ठप होने का खतरा बढ़ गया है।

मैक्रों ने दांव खेला कि समय पूर्व चुनाव कराने के उनके फैसले से फ्रांस को एक स्पष्ट दिशा मिलेगी, लेकिन परिणाम बिल्कुल विपरीत आया। पेरिस ओलंपिक के शुरू होने में तीन हफ्ते से कम समय बचा है जब पूरा देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रहेगा। फ्रांस की संसद का कार्यकाल 2027 में खत्म होना था, लेकिन यूरोपीय संघ में नौ जून को बड़ी हार मिलने के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने समय से पहले संसद भंग कर दी। शेयर सूचकांक गिरावट के साथ खुला पर जल्द ही इसमें सुधार दिखा, यह संभवत: बाजार के इस डर के कारण था कि वाम या दक्षिणपंथी गठबंधन की निर्णायक जीत हो सकती है। प्रधानमंत्री गैब्रियल अटल ने कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो वह पद पर बने रहेंगे लेकिन सोमवार सुबह उन्होंने अपने इस्तीफे की पेशकश की, लेकिन मैक्रों ने तुरंत उनसे देश की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पद पर बने रहने के लिए कहा।

मैक्रों के शीर्ष राजनीतिक सहयोगी राष्ट्रपति भवन में अटल के साथ बैठक में शामिल हुए। अटल ने रविवार को स्पष्ट किया कि वह अचानक चुनाव कराने के मैक्रों के फैसले से असहमत थे। दो दौर के मतदान के बाद आए नतीजों में पहले स्थान पर रहे वामपंथी गठबंधन, दूसरे स्थान पर रहे मैक्रों के मध्यमार्गी गठबंधन या धुर दक्षिणपंथी गठबंधन में से किसी को भी सरकार बनाने का कोई स्पष्ट जनादेश नहीं मिला है। गंभीरता से बातचीत शुरू करने के लिए नेशनल असेंबली में नवनिर्वाचित और सीट बरकरार रखने वाले सांसदों के एकत्र होने की उम्मीद थी। मैक्रों स्वयं इस सप्ताह के अंत में वाशिंगटन में नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रवाना होंगे। फ्रांस में राजनीतिक गतिरोध का यूक्रेन में युद्ध, वैश्विक कूटनीति और यूरोप की आर्थिक स्थिरता पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। फिर भी, एक नेता ने कहा कि नतीजे राहत देने वाले थे। यूरोपीय संघ की परिषद के पूर्व प्रमुख प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने रविवार देर रात 'एक्स' पर लिखा, पेरिस में उत्साह, मॉस्को में निराशा, कीव में राहत। वारसॉ में खुश रहने की पर्याप्त वजह है।''

उच्चतम न्यायालय ने 'विजुअल मीडिया', फिल्मों में दिव्यांगों के चित्रण संबंधी दिशानिर्देश दिए

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने दृश्य मीडिया (विजुअल मीडिया) और फिल्मों में दिव्यांग व्यक्तियों के ''अपमानजनक'' चित्रण को रोकने के लिए सोमवार को दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि 'अपंग' और 'मंदबुद्धि' जैसे शब्द सामाजिक धारणाओं में निचला स्थान रखते हैं। यह फैसला निपुण मल्होत्रा द्वारा दायर याचिका पर दिया गया। मल्होत्रा ने कहा था कि हिंदी फिल्म 'आंख मिचौली' में दिव्यांग जन के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, ''शब्द संस्थागत भेदभाव पैदा करते हैं और दिव्यांग लोगों के बारे में 'अपंग' और 'मंदबुद्धि' जैसे शब्द सामाजिक धारणाओं में निचले दर्जे के समझे जाते हैं।'' पीठ ने कई दिशानिर्देश तय करते हुए कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को फिल्म दिखाने की अनुमति देने से पहले विशेषज्ञों की राय लेनी चाहिए।

'कल्कि 2898 एडी' ने विश्वभर में बॉक्स ऑफिस पर 900 करोड़ रुपये से अधिक कमाई की

मुंबई/भाषा। फिल्म 'कल्कि 2898एडी' का जलवा बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है और 11 दिन में दुनियाभर में इसने 900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को यह घोषणा की। फिल्म में अभिनेता अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण, दिशा पाटनी और प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। इसके निर्माताओं ने फिल्म की कमाई के बारे में 'एक्स' पर अद्यतन जानकारी के साथ प्रभास के किरदार का एक पोस्टर साझा किया। इसमें कहा गया है, ''एपिक महाब्लॉकबस्टर ने दुनियाभर में 900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की।'' पोस्ट के साथ लिखा हुआ है, ''बड़ी उपलब्धि हासिल करने की ओर अग्रसर...सिनेमाघरों में एपिक ब्लॉकबस्टर कल्कि।'' फिल्म का निर्माण वैजयंती मूवीज ने किया है। बच्चन (81) ने फिल्म में अमर योद्धा अश्वत्थामा की भूमिका निभाई है। अभिनेता ने पूर्व में अपने ब्लॉग पर एक पोस्ट में कहा था कि यह फिल्म 'कल्पनाओं और वास्तविकता का मिश्रण' है। 'कल्कि 2898एडी' 600 करोड़ रुपये की लागत से बनी भारत की अब तक की कथित तौर पर सबसे महंगी फिल्म है। यह 27 जून को दुनियाभार में पांच भाषाओं-हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज हुई।

मानवता व धर्म के लिए भगवद् गीताः डीयू के हिंदू अध्ययन केंद्र में नए विषय आने की संभावना

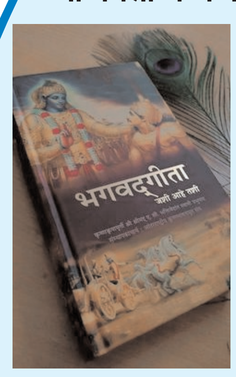

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विश्वविद्यालय का हिन्दू अध्ययन केंद्र अपने विद्यार्थियों को वैकल्पिक विषयों के रूप में वैदिक साहित्य का परिचय, उपनिषद परिचय, 'धर्म और रिलिजन' जैसे विकल्प देने की योजना बना रहा है। अपने पाठ्यक्रम का विस्तार करने और छात्रों को विकल्पों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराने के लिए विभाग ने हिंदू अध्ययन में विशेषज्ञता हासिल करने के इच्छुक छात्रों के लिए छह नए वैकल्पिक विषय शुरू करने का प्रस्ताव दिया है और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद से इनके अनुमोदन की प्रतीक्षा हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद की बैठक 12 जुलाई को होनी है। ये संशोधन हिंदू अध्ययन केंद्र की शासी निकाय की सिफारिशों के आधार पर प्रस्तावित हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त, हिंदू अध्ययन केंद्र अब हिंदू धर्म के विभिन्न पहलुओं पर विषय पेश करने की योजना बना रहा है। इनमें मानवता के लिए भगवद् गीता, हिंदू विचारक और पुराण परिचय पर शोधपत्र भी शामिल होंगे। प्रस्तावित ऐच्छिक विषयों के शिक्षण उद्देश्य में कहा गया है, हिंदू विचारकों पर आधारित शोध पत्र का उद्देश्य छात्रों को प्राचीन और आधुनिक समय के प्रतिष्ठित हिंदू विचारकों के प्रमुख विचारों से परिचित कराना है। इसके अलावा, धर्म और रिलिजन विषय पश्चिमी धार्मिक परंपराओं से तुलना करते हुए हिंदू अध्यात्म और धर्म की आधारभूत अवधारणाओं का परिचय देते हुए उनका विकास करेगा।

नासा के मंगल मिशन के चालक दल के सदस्य एक साल बाद अपने यान से बाहर निकले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मंगल मिशन के चालक दल के सदस्य एक साल की यात्रा के बाद अपने यान से बाहर निकले। हालांकि, यह अंतरिक्ष यान कभी पृथ्वी से रवाना ही नहीं हुआ।

दरअसल, नासा ने ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में मंगल ग्रह के वातावरण का अनुकरण करते हुए एक आवास बनाया है जहां 12 महीने से अधिक समय तक बाहरी दुनिया से अलग रहने के बाद चालक दल के चार सदस्य शनिवार की शाम करीब पांच बजे बाहर निकले। इस अभियान का उद्देश्य उन चुनौतियों का सामना करना है जो भविष्य में मंगल ग्रह पर मिशन भेजने के दौरान सामने आ सकती हैं। इसमें शामिल चालक दल के सदस्यों ने अंतरिक्ष में चहलकदमी यानी 'मार्सवॉक' का अनुकरण किया और साथ ही सब्जियां भी उगायीं। केली हैस्टन, आंका सेलारियु, रॉस ब्रॉकवेल और नाथन जोन्स 25 जून 2023 को 3डी-प्रिंटेड आवास में घुसे। चिकित्सक और मिशन के चिकित्सा अधिकारी जोन्स ने कहा कि कैद में उनके 378 दिन ''जल्दी बीत गए।''

ये चारों वैज्ञानिक लाल ग्रह जैसे वातावरण में 1,700 वर्ग फुट के स्थान के भीतर रहे। उन्होंने सीमित संसाधन, अलग-थलग रहने और पृथ्वी से संचार में 22 मिनट तक की देरी समेत भविष्य में मंगल ग्रह पर आने वाली संभावित चुनौतियों का सामना किया।

मौजूदा दौर के खिलाड़ी 'कमजोर दिल' के नहीं है : बिंद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पहले व्यक्तिगत स्पर्धा के ओलंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा का मानना है कि खिलाड़ियों की मौजूदा पीढ़ी उनके समय के 'कमजोर दिल' वाले खिलाड़ियों की तुलना में अधिक मजबूत है।

बीजिंग ओलंपिक (2008) में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए देश की तैयारियों पर फ्रांस के दूतावास और 'इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएफसीसीआई)' के साथ आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान भारतीय दल को सलाह दी कि वे अतीत या भविष्य के बारे में सोचने की गलती न करें। भारत के लगभग 125 खिलाड़ियों ने इन खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है।

बिंद्रा ने कहा, ''मैं एक ऐसी पीढ़ी से आया हूँ जो स्वभाव से कमजोर दिल वाली थी। आज के दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कहीं अधिक है। वे इन खेलों में सिर्फ हिस्सा लेना नहीं बल्कि पदक जीतना चाहते है। ये खिलाड़ी कोई और पदक नहीं बल्कि स्वर्ण पदक जीतना चाहते है। यह हमारे समाज का प्रतिबिंब है कि पिछले कुछ वर्षों में यह कैसे विकसित हुआ है।''

इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि खेलों को देखने और उसके बारे में बात करने का तरीका बदल गया है लेकिन जिस चीज में बदलाव नहीं आया है वह है एथलीटों को मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा।

बिंद्रा ने कहा, '' अब अलग तरह से बातचीत होती है। उसमें हालांकि कई समानताएं है, उन्हें पेरिस में अपना दमखम दिखाना होगा और उस विशेष दिन पर प्रदर्शन करना होगा। यह किसी भी तरह से आसान नहीं होने वाला है। उन्हें दबाव झेलना सीखना होगा। वर्षों से सीखी गयी प्रक्रिया, अपने कौशल को खेल में उतारने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।'' उन्होंने कहा, '' एथलीटों की सबसे बड़ी गलती यह है कि वे या तो अतीत में जीते हैं या भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। वे इस वास्तविकता के बारे में भूल जाते हैं मौजूदा समय की अहमियत सबसे ज्यादा है।'' भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी माथौ ने कहा कि पेरिस असाधारण खेल आयोजित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि नवाचार, स्थिरता, एकजुटता, लैंगिक समानता, रोजगार, शिक्षा और समावेशिता उनके खेलों के आयोजन के केंद्र में है।

माथौ ने यह भी बताया कि भारत और फ्रांस ने खेलों में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका महत्व और बढ़ जाता है क्योंकि भारत 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने की इच्छा रखता है।

इस मौके पर भारतीय एथलेटिक्स संघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला से जब पूछा गया कि भारत के इन खेलों में कितना पदक जीतने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''नीरज एशियाई चैंपियन, राष्ट्रमंडल खेलों चैंपियन, विश्व और ओलंपिक चैंपियन हैं। कई खिलाड़ियों ने नीरज से बेहतर थ्रो किया है लेकिन मुख्य प्रतियोगिता के दिन नीरज 90 मीटर तक पहुंचने में नाकाम रहने के बावजूद स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में भारत की सफलता का श्रेय सिर्फ पदक की संख्या पर आधारित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमें यह देखना होगा कि लंदन, रियो, तोक्यो में कितने खिलाड़ी थे और अब कितने हैं। कितने तब फाइनल में पहुंचे और कितने अब पहुंच रहे है। अगर संख्या बढ़ी है, तो क्या यह प्रगति है। मैं इसी तरह मापता हूं।'' बिंद्रा ने कहा कि भारत को 30-40 ओलंपिक पदक जीतने का सपना देखना शुरू करने के लिए जमीनी स्तर पर बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमें खेल को अलग तरह से देखना शुरू करना होगा। वर्तमान में हम यह देख रहे हैं कि विश्व स्तर पर एथलीट कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हमें मजबूती देता है। हमें राष्ट्र निर्माण में खेल की बड़ी भूमिका को देखने की जरूरत है।''

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के नजरबाद स्थित शिक्षक सदन बुद्धि वीर वाटिका गुरु भवन में चातुर्मास प्रवेश करने के बाद रोजाना आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी के प्रवचन श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे है।

माहेश्वरी भवन में आयोजित हुआ निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। भगवान महेश की पूजा व दीप प्रज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर दवाई प्रायोजक श्रीगोपाल कॉंकाणी, माहेश्वरी सभा के सचिव अजय राठी, महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी, युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष नन्दकिशोर मालू , समाज के वरिष्ठ सदस्य श्रीगोपाल सारड़ा, संगठन की सलाहकार सदस्य पुष्पा सारड़ा, कल्पना बाहेती आदि ने दीप प्रज्वलित किया। इस मौके पर डाक्टरों का सम्मान किया गया।

इस निःशुल्क शिविर में प्रसिद्ध होमियोपैथिक विशेषज्ञ अकबर बैग ने 32 लोगों की व इयरहोल रिपेरिंग विशेषज्ञ पूनम शर्मा ने 22 महिलाओं का इलाज कर परामर्श किया। सुलोचना जाजू व राधिका तोषनीवाल ने डाक्टरों का परिचय दिया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष निर्मल तापडिया, वरिष्ठ सदस्य राधेश्याम राठी, सलाहकार सदस्य सावित्री मालू आदि उपस्थित थे। सचिव निर्मला कॉंकाणी ने संचालन किया और पूजा मालानी ने धन्यवाद दिया।

'कैरियर की धुन में संस्कृति और संस्कार बलि न चढ़े, इसका रखें ख्याल'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित शिक्षक सदन बुद्धि वीर वाटिका गुरु भवन में चातुर्मास प्रवेश करने के बाद रोजाना आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी के प्रवचन श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे है। सोमवार के आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अपने चिरपरिचित अंदाज में अपने प्रवचन में कहा कि दूरदराज के क्षेत्रों में बसने या विदेश जाने वालों को यह सावधानी बरतनी अत्यंत आवश्यक है कि अपने कैरियर को अच्छा बनाने की धुन में कहीं हम अपनी संस्कृति और संस्कारों की बलि न चढ़ा दें। आज अधिकांश युवक-युवतियों की जिंदगी में यही देखा जा रहा है।

यह भारत की उभरती प्रतिभाओं के भविष्य का भयावह दृश्य हैं। पढ़-लिखकर विद्वान बनने का यह अर्थ कतई नहीं हैं कि हम अपनी भाषा, परंपरा, धर्म, संस्कृति, संस्कार और कर्तव्यों को ही भूल जायें। अगर ऐसा होता है तो यह जीवन की सबसे बड़ी हानि होगी, जिसकी भरपाई अनाप-शनाप धन की कमाई और किसी भी बड़ी भौतिक सफलता से नहीं की जा सकेगी।

वर्षावास प्रवेश समारोह के उपलक्ष्य में देश के दूरदराज के क्षेत्रों से आये विभिन्न पंथों के श्रद्धालुओं और विदेश से आये भक्तों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने आगे कहा कि आज हजारों प्रतिभाएं अपने घर, परिवार, समाज, संस्कृति और मातृभूमि को छोड़कर दूरदराज के इलाकों में बस रही हैं अथवा विदेश जा रही हैं। उच्चशिक्षा प्राप्त कर बड़ी उपलब्धियों के सपने साकार करना ही उनका एक मात्र ध्येय है।

इन सपनों की सिद्धि में अपनों के संबंध पीछे छूट रहे हैं। अपार धन कमाने और सफल इंसान बनने की चाह में स्नेह संबंध, सात्विक संवेदनाएं, आध्यत्मिक साधनाएं, धर्म का अहोभाव और राष्ट्र, समाज व परिवार के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियां, सब समाप्त होते जा रहे हैं। यह हीरों के बदले कांच के टुकड़े खरीदने जैसा भारी नुकसान का सौदा हो रहा है।

ऐसी मानसिकताएं और परिस्थितियां हमें सुख नहीं, दुःख और अशांति के मार्ग पर ले जायेगी। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने भयावह स्थिति का स्वरूप बतलाते हुए कहा कि दूरदराज या विदेश जाने वाले अधिकांश का जीवन पूरी तरह बदल रहा है। अनेक लोगों का धर्मांतरण हो रहा है। ज्यादातर लोग समाज से पूरी तरह टूट रहे हैं। अनेक युवा अंतर्जातीय विवाह कर भविष्य के लिए बहुत बड़ी जोखिम ले रहे हैं। हजारों-हजारों की पारिवारिक व्यवस्थाएं छिन्नभिन्न हो रही हैं। बहुत सारे ऐसे युवा भी हैं जो दूसरों के संपर्क में आकर मांसाहार अपना रहे हैं। ये सब भारत देश व संस्कृति के अंश व वंश होकर भी उसके किसी काम नहीं आ सकेंगे।

इस अवसर पर कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान, अशोक दांतेवाड़िया, वसंत राठौड़, अशोक दांतेवाड़िया, भंवरलाल लुंकड़, भोजराज जैन, चैनसिंह राजपुरोहित, जीतू लुंकड़, बाबूलाल बागरेचा और अनिल लुंकड़ आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरु दर्शन

राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया रविवार को ओपीएच रोड स्थित मुनिसुव्रत जैन मंदिर में चातुर्मास प्रवेश के दौरान संतों के दर्शन किए तथा ओपीएच रोड मंदिर के दर्शन किए। इसके अलावा सिरोया ने हीराबाग में विराजित आगमश्रीजी के दर्शन किए। इस मौके पर मंदिर के प्रमुख इन्दरचन्द बोहरा, हीराबाग संघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचन्द संकलेचा, मंत्री अशोक बांठिया, उपाध्यक्ष नन्दकिशोर समदड़िया, कोषाध्यक्ष धनराज रायसोनी आदि उपस्थित थे।

मंजूनाथनगर में विशाल शोभायात्रा के साथ हुआ वीरेन्द्रमुनि का चातुर्मास प्रवेश

शोभायात्रा में जैन समाज के सभी सम्प्रदायों के लोग हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर स्थित मंजूनाथनगर सकल जैन संघ के तत्वावधान में गुरुदेव वीरेन्द्रमुनि जी म.सा का चातुर्मास प्रवेश बड़े ही हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। प्रवेश के मौके पर मुनिश्री राजपद्मसागरजी, मुनिश्री बसंतमुनिजी व साध्वी विपुलदर्शानाश्रीजी का सान्निध्य रहा। सुवालाल कोठारी के निवास स्थान से चातुर्मास प्रवेश की शोभायात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में युवा मंच द्वारा प्रभु महावीर लगाए गए। गुरुदेव वीरेन्द्रमुनिजी म.सा ने शुभ महूर्त में जैन भवन (उत्तम अंकित विल्ला) में प्रवेश किया । जिसके पश्चात् शोभायात्रा सिद्दगंगा सामूहिक भवन पहुँची जहां धर्मसभा का आयोजन किया गया।

धर्मसभा कार्यक्रम की शुरुआत जयश्री आच्छा एवं जैन महिला मण्डल के मंगलाचरण से की एवं युवा अध्यक्ष अंकित आच्छा ने स्वागत भाषण से हुई। आच्छा से संघ की स्थापना के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 2024 का यह चातुर्मास चारां संप्रदाय मिलकर करवा रहे है जो कि अपने आप में अनुकरणीय है।

कार्यक्रम में मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी संघों को आमंत्रित किया गया । मंत्री राकेश दलाल ने मंत्री प्रतिवेदन देते हुए कार्यक्रम की जानकारी दी। चातुर्मास प्रवेश के मौके पर राजाजीनगर के विधायक सुरेशकुमार ने भी संतों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में पुखराज जी मेहता, शांतिलाल खिंवेसरा, इंदरचन्द बोहरा, अशोक नागोरी, माणक सालेचा, रत्नीबाई मेहता एवं अन्य विशिष्ट अतिथियो की भी मौजूदगी रही। इस मौके पर मुनिश्री ने प्रभु महावीर के जिन शासन की सेवा सदैव पंथवाद से ऊपर उठकर करने की प्रेरणा दी। गुरुदेव के महामांगलिक के पश्चात् गौतम प्रसादी एवं प्रभावना संघवी उत्तमचन्दअंकितकुमार आच्छा परिवार की तरफ़ से रखी गई । कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्रकुमार आच्छा ने किया। यह जानकारी अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा ने दी ।

अगले वर्ष फिर मिलने के वादे के साथ सम्पन्न हुआ बेंगलूरु एक्सपो एंड ट्रेड शो

ब्यावर युवा संघ ने समाजसेवा के साथ व्यापारिक क्षेत्र में पाई सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु एक्सपो एंड ट्रेड शो का रविवार शाम को अगले वर्ष पुनः मिलने की बात के साथ समापन हुआ। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि इस एक्सपो में अनेक छोटे बड़े उद्यमियों को अपने नए उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ्। एक्सपो में आठ से दस हजार लोगों ने खरीदारी की। एक्सपो के मुख्य प्रायोजक माइक्रो लैब्स लिमिटेड, सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वैलरी का विशेष सहयोग रहा। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि प्रत्येक दो घंटों के अन्तराल में डायमंड्स के लकी ड्रा निकले गए जिसे शहर के मयन डायमंड्स द्वारा प्रायोजित किया गया। एक्सपो के संयोजक प्रतीक गादिया ने बताया कि समापन के मौके पर मोटिवेशनल स्पीकर संतोष जैन ने अपने पारिवारिक व्यवसाय को आगे बढ़ाने व विस्तारित करने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि अपने बॉस खुद बनिए और हमें औरों को नौकरी प्रदान करने के अवसर बनाने चाहिए्। युवा शाखा कार्यसमिति की ओर से एक्सपो के प्रायोजक माइक्रो लैब्स लिमिटेड, सह प्रायोजक कुशल्स फैशन ज्वैलरी के राजेन्द्र गुलेच्छा, मयन डायमंड्स के रतनचंद श्रीश्रीमाल का सम्मान किया गया।

इस कार्यक्रम के पश्चात सभी स्टाल्स के मालिकों को युवा शाखा की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किया और उनसे अगले वर्ष पुनः इस एक्स्पो एंड ट्रैड शो में जुड़ने की बात कही। कार्यसमिति की ओर से एक्सपो संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहंत छाजेड़, कुनाल मरलेचा और सुनील भण्डारी के साथ तकनीकी टीम के महावीर गुगलिया, भरत कोठारी, हर्ष कोठारी का सम्मान किया गया। बिन्दु मेहता और मनीष चौपड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। ब्यावर संघ व युवा शाखा के सदस्यों में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को संगठात्मक शक्ति प्रदान की। युवा सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

होसपेट निवासी व राष्ट्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री परिषद के पूर्व सदस्य बाबूलाल जैन ने बेलगावी में सांसद जगदीश शेट्टर से मुलाकात कर रेल संबंधित विभिन्न मांगों के बारे में चर्चा की। जैन ने बेलगावी बद्राचलम, हुब्बल्ली-चेन्नई ट्रेन, होसपेट-मुम्बई ट्रेन व होसपेट जंक्शन के विकास के बारे में चर्चा की तथा अपनी मांग बताते हुए सहयोग की अपील की।

भारतीय राजपुताना सेवा संगठन द्वारा आयोजित श्रीराम कथा में गूंजा प्रेम का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के अध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में आयोजित श्री राम कथा का समापन समारोह रविवार को हवन के साथ हुआ। इस आयोजन में बनारस के कथावाचक शशिकांतजी महाराज और आराधनादेवी ने राम कथा का श्रवण करवाया। संतों ने कहा कि श्रीराम कथा का उद्देश्य धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करना है। राम कथा के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों और शिक्षाओं को जन-जन

तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे समाज में नैतिकता, सदाचार और धर्म के प्रति आस्था का विकास हो सके।

इस आयोजन में समाज के सभी वर्गों के लोग शामिल हुए, जिससे सामाजिक समरसता और एकता को भी बल मिला। कार्यक्रम के अंत में बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए और महिलाओं ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसके बाद पूज्य आराधना देवी का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव संजय सिंह ने किया। इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिलसिंह सिकरवार ने संगठन के इतिहास और उसकी विकास यात्रा की जानकारी दी। इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह, राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र सिंह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुधांशु सिंह, राष्ट्रीय मातृशक्ति अध्यक्षा ममता सिंह सहित अनेक प्रांतीय व स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

हीरा बाग में साध्वीश्री आगमश्री का हुआ चातुर्मास प्रवेश, छाया उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हीराबाग जैन स्थानक में कर्नाटक तप अराधिका महासाध्वीश्री आगमश्रीजी का स्थानक भवन में हर्षोल्लास के साथ चातुर्मास प्रवेश हुआ। भूरीबाई गणेशमल सकलेचा जैन भवन से विहार कर शोभायात्रा के साथ साथ जैन कांफ्रेंस के अतिथि व संघ के डॉ भीकमचन्द संकलेचा, अशोक बांठिया, नंदकिशोर समदड़िया, धनराज सोनी, अन्य सदस्य, महिला व बहू मंडल की सदस्याएं ने साध्वियों का चातुर्मास प्रवेश करवाया। चातुर्मास प्रवेश 20 जुलार्स से चातुर्मास पूर्णाहुति तक सुबह 9.30 बजे से हीरा बाग में प्रवचन होगा। इस वर्ष चातुर्मास को लेकर हीरा बाग संघ में उत्साह छाया हुआ है ।

आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 108 पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त किया गया : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने 2016 से अब तक आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 108 पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त किया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को यह जानकारी दी। आपराधिक पृष्ठभूमि के अधिकारियों पर की गई कार्रवाई के बारे में विधानसभा में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए विजयन ने कहा कि ऐसे अधिकारियों पर करीब से नजर रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 2016 से 31 मई 2024 के बीच 108 पुलिस अधिकारियों को आपराधिक गतिविधियों में उनकी संलिप्तता की वजह से सेवा से बर्खास्त किया गया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, असामाजिक गतिविधियों और माफिया के साथ जुड़े अधिकारियों पर करीब से नजर रखी जा रही है और ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं्।

राज्य में माफिया और गुंडों द्वारा हिंसा की बढ़ती घटनाओं के आरोपों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे गिरोहों पर खुफिया विभाग की ओर से नजर रखी जा रही है और उनका मुकाबला करने के लिए संगठित अपराधों के खिलाफ विशेष कार्य समूह (एसएजीओसी) गठित किया गया है। राज्य के गृह विभाग का कार्यभार भी संभाल रहे विजयन ने खुफिया इकाई की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे राजनीतिक और सांप्रदायिक हमलों और धमकियों का पता लगाने में सफल रही है और राज्य में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए उनका मुकाबला कर रही है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा दोड्डबल्लापुर के सदस्यों ने मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत के साथ मिलकर शहर के आसपा सके विभिन्न सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की। इस अवसर पर महेंद्र मुणोत एवं कांफ्रेंस के गौतम कोठारी, मनीष कोठारी, ललित जैन, महेश कांकरिया उपस्थित थे। समाज के प्रमुख चंपालाल मकाणा ने जैन कॉन्फ्रेंस युवा शाखा के सेवा कार्यों की सराहना की।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com